mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-48 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 फरवरी 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

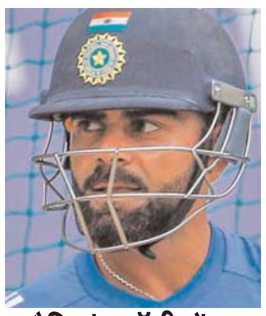

चैम्पियंस ट्रॉफी में ... @ पेज 7

नई दिल्ली भगदड़ के बाद रेलवे स्टेशन पर किए गए 5 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ का मामला गरमाया हुआ है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल हुई है। याचिका में मांग की

● सुप्रीम कोर्ट में भी जनहित याचिका दाखिल

गई है कि केंद्र और सभी राज्य मिलकर एक एक्सपर्ट कमेटी बनाएं, जो क्राउड मैनेजमेंट और भगदड़ रोकने के लिए गाइडलाइन तैयार करें। सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने ये जनहित याचिका दाखिल की है।

जनहित याचिका में भारतीय रेलवे को निर्देश

देने की मांग की गई है कि वह रेलवे स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए उपाय करे, जिसमें गलियारों को चौड़ा करना, बड़े ओवरब्रिज और प्लेटफार्मों का निर्माण करना, रैंप और एस्केलेटर के माध्यम से प्लेटफार्मों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना, व्यस्त समय के दौरान आगमन या प्रस्थान प्लेटफार्मों में किसी भी तरह के बदलाव से सख्ती से बचना शामिल है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर किए गए 5 बदलाव: प्लेटफार्म टिकट बंद कर दिया गया है। टिकट चेक करने के बाद ही प्लेटफार्म पर एंट्री मिलेगी। ट्रेन आने से पहले कतार की व्यवस्था होगी। स्टेशन के बाहर वेटिंग एरिया बनाया जाएगा। (छठ पूजा की तरह) प्लेटफार्म नंबर 16 और 15 पर एस्कलेटर बंद कर दिए गए हैं।

नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ से हुई थी 18 लोगों की मौत: नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात भगदड़ मचने से तीन बच्चों सहित 18 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मृतकों में सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मृतकों में सबसे ज्यादा लोग बिहार से हैं और इनकी संख्या नौ बताई जा रही है। वहीं मृतकों में दिल्ली के आठ और एक शख्स हरियाणा का रहने वाला था। भगदड़ की घटना रात करीब 10 बजे के आसपास प्लेटफार्म 13 और 14 पर घटी, जब हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए स्टेशन पर पहुंचे थे और ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-रूस वार्ता में शामिल नहीं होगा यूक्रेन

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि उनका देश जंग समाप्त करने के उद्देश्य से इस सप्ताह होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता में शामिल नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि जब वार्ता में यूक्रेन शामिल नहीं होगा तो वह इसके परिणामों को भी स्वीकार नहीं करेगा। संयुक्त अरब अमीरात से एक

कॉन्फ्रेंस कॉल पर पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार को सऊदी अरब में मंगलवार को होने वाली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ता में यूक्रेन के अधिकारियों के अनुपस्थित होने के कारण इससे 'कोई परिणाम नहीं निकलेगा।' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि वह तुर्किये और सऊदी अरब की यात्रा करेंगे लेकिन अरब राष्ट्र की उनकी यात्रा का वहां मंगलवार को होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता से कोई संबंध नहीं है। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, शीर्ष रूसी अधिकारी अमेरिका के साथ संबंधों को बहाल करने और यूक्रेन के मुद्दे पर मंगलवार को सऊदी अरब में अमेरिकी समकक्षों के साथ वार्ता करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक की तैयारियों पर भी बातचीत करेंगे।

बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए अत्याचार

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पुलिस ने 41 पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। पूर्व अधिकारी छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के दौरान अत्याचार करने के आरोपी 1,059 पूर्व पुलिसकर्मियों में शामिल हैं। सोमवार को मीडिया में आई खबरों में इस बारे में जानकारी दी गई है। इस आंदोलन की वजह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और उन्हें देश से जाना पड़ा था। आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के भेदभाव विरोधी प्रदर्शन ने एक आंदोलन का रूप ले लिया था और हसीना की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। बीते साल जुलाई और अगस्त के बीच हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान करीब 1,400 लोगों की जान चली गई थी। समाचार पत्र 'प्रथम आलो' ने पुलिस मुख्यालय के गुमनाम अधिकारियों के हवाले से कहा कि अत्याचारों के जीवित बचे पीड़ितों या मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों ने मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के 1,059 अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए थानों और अदालतों में सैकड़ों मामले दर्ज कराए हैं। पुलिस ने अब तक 41 पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय ने कहा कि अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में पुलिस के दो पूर्व महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल मामुन और एकेएन शाहिद-उल-हक और ढाका और दक्षिणपूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम के पूर्व पुलिस आयुक्त - मोहम्मद असद-उज-जमां और मियां सैफ-उल-इस्लाम शामिल हैं। हक के अलावा ये अधिकारी हसीना के देश से चले जाने तक सेवारत थे।

शादी के दौरान हर्ष फायरिंग से ढाई साल के बच्चे की मौत

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली से सटे नोएडा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शादी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग की वजह से जश्न का माहौल मातम में बदल गया। शादी के दौरान हुई फायरिंग का शिकार एक बच्चा बना है। ढाई साल के बच्चे अंश वर्मा की गोली लगने से मौत हो गई है। नोएडा के सेक्टर-41 स्थित अगाहपुर गांव में बारात के दौरान की जा रही हर्ष फायरिंग में एक बच्चे की मौत हो गई। गोली ढाई साल के बच्चे अंश शर्मा को लगी, जिसके बाद हड़कंप मच गया। घायल बच्चे को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना 49 पुलिस और डीसीपी समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और बारात में शामिल लोगों से पूछताछ

की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, अगाहपुर गांव में बलबीर सिंह के घर गुरुग्राम से बारात आई थी। बारात की चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग की जा रही थी। इस दौरान चलाई गई एक गोली ढाई साल के अंश शर्मा को लग गई। अंश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आरोपी की पहचान हुई: पुलिस ने हर्ष फायरिंग करने वाले की पहचान कर ली है। उसका नाम हैप्पी है और वह गुरुग्राम का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। अंश की मौत से परिवार और गांव वाले सदमे में हैं। लोग इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त कर रहे हैं। यह घटना एक बार फिर हर्ष फायरिंग की खतरनाक प्रवृत्ति को उजागर करती है। हर्ष फायरिंग गैरकानूनी है और अक्सर इस तरह की घटनाओं में निर्दोष लोगों की जान जाती है। सरकार और पुलिस को हर्ष फायरिंग पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए।

राहुल गांधी भी हुए शामिल, कांग्रेस ने दिया ये सुझाव

मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर पीएम ऑफिस में हुई मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए मुख्य चुनाव आयुक्त (ष्टश्वष्ट) के चयन को लेकर पीएम ऑफिस में आज मीटिंग हुई है। पीएम मोदी की अगुवाई वाली 3 सदस्यीय कमेटी ने ये मीटिंग की है और इसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए हैं। कांग्रेस ने सीईसी के चयन पर सरकार को सुझाव दिया है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई तक बैठक स्थगित की जाए।

बता दें कि पैनल, सर्च कमेटी द्वारा चुने गए उम्मीदवारों में से एक नाम की सिफारिश करेगा। इसके बाद राष्ट्रपति इस सिफारिश के आधार पर अगले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेंगे। बता दें कि 18 फरवरी 2025 को मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार रिटायर हो रहे हैं। कानून के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे।

राजीव कुमार ने वर्ष 2022 में संभाला था पदभार: चीफ इलेक्शन कमिश्नर, राजीव कुमार ने यह पदभार वर्ष 2022 में संभाला था। उनके नेतृत्व में चुनाव आयोग ने 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ। इसके अलावा कई राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न कराए गए। इनमें, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, झारखंड और इसी साल हुए दिल्ली विधानसभा का चुनाव भी शामिल है।

'केजरीवाल, सिसोदिया और आतिशी को हर रोज कोर्ट जाना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। सीएम के नाम के ऐलान में देरी को लेकर कार्यवाहक सीएम आतिशी और आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा पर निशाना साध रही है। वहीं, अब दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। वीरेंद्र सचदेवा ने चेतावनी दी है कि दिल्ली में नए सीएम के ऐलान के बाद केजरीवाल, सिसोदिया और आतिशी को हर रोज कोर्ट जाना होगा। आइए जानते हैं कि उन्होंने और क्या कुछ कहा है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- ÷दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी पूछ रही हैं कि मुख्यमंत्री कौन है? 5 महीनों तक,क्कके मुख्यमंत्री जेल में रहे थे, क्या उस समय आपने (क्क) बताया था कि कौन है मुख्यमंत्री? आतिशी के पास कहने को कुछ नहीं बचा है। आप (आतिशी) किस्मत से विधायक तो बन गई हैं मगर आपके पार्टी के ही लोग आपको नेता प्रतिपक्ष मानने को तैयार नहीं हैं।

इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में मृत मिली नेपाल की छात्रा

पीएम केपी ओली ने भी किया मामले पर ट्वीट

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा ने अपने हॉस्टल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। इस घटना के बाद से ही संस्थान में तनाव का माहौल पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्रा नेपाल की रहने वाली है। ये पूरा मामला कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) के बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, छात्रा के भाई ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया है कि उसकी बहन ने रविवार को अपने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, केआईआईटी ने कहा है- ÷बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाली नेपाल की एक छात्रा ने कल छात्रावास में आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि छात्रा केआईआईटी में ही पढ़ने वाले एक अन्य छात्र से प्रेम करती थी।÷ इस घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। भुवनेश्वर के डीसीपी पिनाक मिश्रा ने कहा- ''हमने इन्फोसिटी थाने में एक छात्र के खिलाफ छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी छात्र पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य गैजेट जब्त कर लिए हैं। हम मामले की जांच कर रहे

हैं।'' डीसीपी ने छात्रों से शांति बनाए रखने और कानून को अपने हाथ में न लेने की अपील की है। केआईआईटी ने जानकारी दी है कि इस घटना के बाद से नेपाल के छात्रों में थोड़ा तनाव था। इसके बाद अधिकारियों ने आक्रोशित विदेशी छात्रों से बातचीत की है। संस्थान ने बताया- ÷स्थिति को ध्यान में रखते हुए नेपाल के छात्रों को उनके घर भेज दिया गया है। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है।÷ जानकारी के मुताबिक, नेपाल के कई छात्र रविवार की रात संस्थान के परिसर में एकत्र हुए थे और प्रदर्शन करते हुए न्याय की मांग की थी। पीटीआई के मुताबिक, सोमवार को नेपाली छात्रों से भरी दो बसें कटक रेलवे स्टेशन पर पहुंची।

ओडिशा से हैरान कर देने वाली खबर

बीते 4 साल में 36000 से ज्यादा महिलाएं और 8400 बच्चे लापता

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को हैरान कर देने वाली जानकारी सामने रखी है। सीएम माझी ने बताया है कि ओडिशा में बीते 4 साल में 36,000 से अधिक महिलाएं और 8,400 बच्चे लापता हो गए हैं। ओडिशा की इस चिंताजनक घटना के बारे नें मुख्यमंत्री मोहन माझी ने विधानसभा में चौंका देने वाले तथ्य सामने रखे हैं।

सोमवार को ओडिशा विधानसभा में विधायक चक्रमणि कन्हार के एक सवाल का जवाब देते हुए सीएम मोहन माझी ने लापता महिलाओं और बच्चों की चौंकाने वाली संख्या का खुलासा किया है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने बताया कि 2020 से 2024 के दौरान राज्य में 8,403 बच्चों सहित कुल 36,420 महिलाएं लापता हो गई हैं। सीएम ने बताया है कि इस संकट से निपटने के प्रयासों के तहत कई कामयाबी भी हाथ लगी है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने बताया कि 421 महिलाएं और लड़कियां बेईमान बिचौलियों की मदद से राज्य की सीमाओं के पार तस्करी का शिकार हुई हैं। इसके जवाब में, कानून

प्रवर्तन एजेंसियों ने इन अवैध गतिविधियों में शामिल 453 बिचौलियों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री के जवाब के अनुसार, इस संकट से निपटने के प्रयासों के तहत 1,417 महिलाओं और 1,857 बच्चों को बचाया गया है। सीएम माझी ने सदन में बताया है कि पुलिस शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर के तस्करी की गई महिलाओं का पता लगाने के लिए कार्रवाई कर रही है। सीएम ने ये भी बताया है कि महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने के लिए 36 एकीकृत मानव तस्करी विरोधी इकाइयां बनाई गई हैं। बोलांगीर, नुआपाड़ा, बारगढ़, कालाहांडी, संबलपुर और झारसुगुड़ा में ऐसे मामलों से निपटने के लिए आईएएचटीयू को संपर्क बिंदु बनाया गया है। सीएम ने बताया है कि 2024 के दौरान ओडिशा में महिलाओं के अपहरण के 6,437 मामले दर्ज हुए और इन मामलों के संबंध में 413 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

महाकुंभ में फिर लगी आग, सेक्टर 8 में हुई घटना

गनीमत ये रही कि आग पर काबू पा लिया गया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज से जुड़ी एक बड़ी खबर है। महाकुंभ में एक बार फिर आग लग गई है। महाकुंभ के सेक्टर 8 के एक शिविर में ये आग लगी है। हालांकि गनीमत ये रही कि आग पर काबू पा लिया गया है और खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की बात सामने नहीं आई है।

आज महाकुंभ में श्री कपि मानस मंडल शिविर के 2 टेंट में आग लगी थी, जिसे अग्निशमन यूनिट द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए बुझाया गया। उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में टेंट में आग जल रही थी जिसे तत्काल फायर यूनिटों द्वारा गाड़ियों से पंपिंग करके बुझाया गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई।

इससे पहले महाकुंभ के सेक्टर 19 के कुछ खाली पड़े टेंट में आग लगी थी। हालांकि गनीमत ये रही कि इस आग से भी कोई हताहत नहीं हुआ था। आग पर पूरी तरह से

काबू पा लिया गया था। बता दें कि ये खाली पड़े टेंट वही हैं, जिन्हें कल्पवासी खाली करके गए थे।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक बार फिर 7 फरवरी को आग लगी थी। इस बार हरिहरानंद के टेंट में आग लगी थी। टेंट से ऊंची लपटें उठती हुई दिखाई दीं थीं। हालांकि मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया था। महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना का वीडियो भी सामने आया था।

इस दौरान शंकराचार्य मार्ग स्थित सेक्टर 18 में आग लगी थी। टेंट में आग की लपटें उठती हुई दिखाई दी थीं। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत ही आग पर काबू पा लिया था। मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था।

इससे पहले महाकुंभ मेले में सेक्टर 22 के बाहरी क्षेत्र में चमनगंज चौकी के पास एक टेंट में आग लग गई थी। इसकी चपेट में आकर 15 टेंट जलकर खाक हो गए थे। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई थी। पुलिस ने बताया था कि मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया था।

बेरोजगार पति से लड़ती थी पत्नी, गुस्से में पति ने 3 महीने की बेटी को पटका, मौत

कुर्ला (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कुर्ला में एक पिता ने अपनी तीन महीने की बेटी को जमीन में पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी का अक्सर उसकी पत्नी के साथ विवाद होता था। वह छह महीने से बेरोजगार भी था। वारदात वाले दिन भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ और गुस्साए पति ने पत्नी को पीटने के साथ बेटी की भी हत्या कर दी। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक घटना मुंबई के कुर्ला

इलाके की है। यहां एक 34 वर्षीय बेरोजगार आदमी ने अपनी तीन महीने की बेटी को उठाकर पटक दिया, जिसकी वजह से उसे गंभीर चोट आई। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी की पहचान परवेज सिद्दीकी के रूप में हुई है, जो छह महीने से बेरोजगार था। वह पहले एक ठेकेदार के साथ इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम करता था, लेकिन छह महीने पहले उसकी नौकरी चली। इसके बाद से पैसे और अन्य चीजों को लेकर पत्नी के साथ उसका विवाद होने लगा। अक्सर पति-पत्नी लड़ते थे।

धर्मशाला सनातन धर्म और सामाजिक परंपराओं का प्रतीक है धर्मशालाएँ-मंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि सामाजिक सहयोग से तैयार धर्मशालाएं मात्र ईंट गारे का भवन नहीं है, ये सनातन धर्म, परंपराओं, आराध्य भगवान श्री कृष्ण के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रमुख केन्द्र भी है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर रविवार को सीहोर के ग्राम सावंतखेड़ी (लक्ष्मीपुर) आष्टा में यादव अहीर समाज धर्मशाला के लोकार्पण एवं जीर्णोद्धार कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यादव समाज के सामाजिक बंधुओं ने एक संकल्प लेकर समाज की धर्मशाला के निर्माण कार्य को समय पर पूरा किया। धर्मशाला का निर्माण और सामाजिक बंधुओं के योगदान के संगम से यह मिशन पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में अपनी सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने और हमारी नई पीढ़ी को सनातन धर्म, संस्कृति और हमारी परंपराओं से परिचित कराने और आत्मसात कराने की दृष्टि से धर्मशालाओं का निर्माण किया जाता था। ग्राम सावंतखेड़ी में भी उसी परंपरा का निर्वाह देखने को मिला है, जिसके लिए मैं अपने सामाजिक बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। इस दौरान आष्टा के विधायक श्री गोपाल सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत सीहोर श्रीमती रचना डॉ. सुरेंद्र सिंह मेवाड़ा, श्री जीवन सिंह मण्डलोई, श्रीमती दीक्षा सोनु गुणवान, श्री सीताराम यादव, श्रीमती सीमा महेश चौधरी, श्री धारासिंह पटेल, श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, श्री सुनील आर्य, श्री सुनील प्रताप, श्री अतुल शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

हर निर्माण में गड़बड़ी, 88 करोड़ का हिसाब ही नहीं मिल रहा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आर्थिक गड़बड़ियों के लिए बदनाम हो चुके राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में एक और घोटाला सामने आया है। विवि में 2008-09 से 2023-24 के बीच हुए निर्माण कार्यों में जो भुगतान किए गए, उनमें से 88.78 करोड़ की राशि का हिसाब ही नहीं मिल रहा है। ये मामला खुला कैसे, इसकी कहानी भी दिलचस्प है। हाल में विवि के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में करीब 7 करोड़ की गड़बड़ी का मामला खुला। इसकी छानबीन में पता चला कि पिछले 16 सालों के दौरान हुए निर्माण कार्यों में 88.78 करोड़ का हिसाब गायब है। दरअसल, विवि का निर्माण कार्यों के लिए सीपीए (अब पीडब्ल्यूडी) के साथ अनुबंध है। विवि की लेखा शाखा में टेली रिकॉर्ड के अनुसार 2008-09 से 2023-24 तक निर्माण कार्यों के लिए सीपीए को 290.12 करोड़ का एडवांस भुगतान किया था। सीपीए द्वारा इस राशि के विरुद्ध जमा किए गए बिलों के अंतर्गत एडजस्टेड राशि 201.33 करोड़ रुपए है। शेष राशि का अब तक एडजस्टमेंट नहीं हो सका है। सवाल ये भी है कि विवि ने 290.12 करोड़ के एडवांस पेमेंट से पहले भौतिक सत्यापन नहीं किया। सीपीए द्वारा निर्मित भवन का उपयोगिता प्रमाण-पत्र विवि को उपलब्ध नहीं कराया गया, न अन्य जरूरी दस्तावेज दिए। अब रजिस्ट्रार ने सभी दस्तावेज मांगे हैं।

कोलार सिक्सलेन से लगा झुग्गियों का बाजार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अफसर-कर्मचारी भूमाफिया की तरह काम कर रहे हैं। लोगों ने बताया कि कालापानी के आरआई-पटवारी डेढ़ लाख रु. देकर झुग्गी खाली कराते हैं। जिसने भी आदेश का पालन नहीं किया, उसकी झुग्गी तुड़वा दी जाती है। ऐसे 8 से अधिक मामले पड़ताल में सामने आए। लाइनमैन को 300 से 500 रु. देकर महीने भर जला रहे चोरी की बिजली अधिकांश झुग्गियों में चोरी की बिजली जलती मिली। बिजली के तारों का जाल मिला। लोगों ने बताया कि वे तो लाइनमैन को 300-500 रुपए देकर महीनेभर बिजली जलाते रहते हैं। इसलिए किसी को भी कार्रवाई का डर नहीं है। जिनके घर मीटर लगे हैं वो भी बिजली बेचते हैं। सरकारी जमीन पर 50 एकड़ तक अवैध रूप से पत्थर के लिए खुदाई 250 एकड़ के सरकारी खसरों में 3 खसरे ऐसे हैं जिनपर अवैध खनन हो रहा है। खसरा नंबर 207 से लगे कुल 4 पॉइंट पर खुदाई जारी है। अब तक 50 एकड़ भूमि खोदी जा चुकी है। दिनभर यहां सन्नाटा रहता है, पर रात को जेसीबी डंपरों को अवैध खनन करते हुए देखा गया। केंद्रीय जल शक्ति व स्वच्छता विभाग भी यहां झुग्गी वालों की सुविधा के लिए पानी की टंकी बनवा रहा है। 3.25 लाख लीटर क्षमता की इस टंकी से कालापानी सहित आसपास के दो अन्य गांवों में भी सप्लाई होगी। जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकी का निर्माण हो रहा है। पंचायत सचिव व सरपंच झुग्गी बनाने वालों को पट्टे दिलाने के लिए सर्वे करा रहे हैं। कुछ साल पहले तक तो सरपंच पुराने नियम के तहत खुद ही लोगों को पट्टे बांटे रहे थे। लोग बोले- अब भी पट्टे दिलाने के लिए सरपंच के नाम पर 10-10 हजार रुपए लिए जाते हैं।

कन्हान और पेंच नदियों के पानी को लेकर विवाद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र और मप्र के बीच कन्हान और पेंच नदियों के पानी को लेकर विवाद बढ़ सकता है। महाराष्ट्र ने मप्र की कन्हान नदी पर छिंदवाड़ा सिंचाई परियोजना पर आपत्ति जताई है। महाराष्ट्र ने कन्हान से 15 टीएमसीएम पानी पेंच में डायवर्ट करने के लिए 65 किलोमीटर लंबी टनल बनाने की मांग की है। इससे मप्र के पांढुर्ना जिले में जलसंकट बढ़ सकता है। मप्र ने महाराष्ट्र के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। यह विवाद केंद्रीय जल आयोग तक पहुंच चुका है। पेंच और कन्हान नदियां मप्र के सिवनी और छिंदवाड़ा से निकलकर महाराष्ट्र में मिलती हैं। इसके बाद ये प्राणहिता नदी के जरिए गोदावरी में मिल जाती हैं। 1980 में गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण ने इन नदियों में पानी की उपलब्धता 60-60 हजार मिलियन क्यूबिक मीटर (टीएमसीएम) तय की थी। मप्र को पेंच में 35 और कन्हान में 45 टीएमसीएम पानी मिला है, जबकि महाराष्ट्र को पेंच में 25 और कन्हान में 15 टीएमसीएम पानी आवंटित किया गया है। महाराष्ट्र कन्हान में अपने हिस्से के 15 टीएमसीएम पानी को छिंदवाड़ा के लावाघोघरी में एक बांध बनाकर टनल के जरिए पेंच नदी तक पहुंचाना चाहता है, ताकि नागपुर में स्थित तोतलाडोह डेम में पानी लाया जा सके। हालांकि, गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिसमें यह अनुमति दी गई हो कि एक नदी के पानी को दूसरी नदी में ट्रांसफर किया जा सके।

जीआईएस में हरियाली और इंफास्ट्रक्चर पर होगा फोकस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के तहत नगरीय विकास एवं आवास विभाग 25 फरवरी को एक महत्वपूर्ण डिपार्टमेंट समिट आयोजित करेगा। इसमें भविष्य के शहरों की संरचना, इंफ्रास्ट्रक्चर, वायु गुणवत्ता (एक्यूआई), हरियाली और सफाई जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इस समिट से पहले ही विभाग को हॉस्पिटल, कन्वेंशन सेंटर, कमर्शियल और आवासीय परिसरों में 75 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। पहले सत्र में आधुनिक शहरी विकास पर मंथन होगा।

शिक्षा की बेहतरी के लिये स्कूलों का हो नियमित निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि शिक्षा की बेहतरी के लिये स्कूलों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिये। इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी व्हाट्सअप ग्रुप तैयार करें, जिसमें प्रतिदिन की गतिविधियों का अपडेट और निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार की जाये।

मंत्री श्री सिंह रविवार को नरसिंहपुर में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में तेन्दूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल भी मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण का कैलेण्डर बनाया जाये और उसके अनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाये।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि जिले में 87 परीक्षा केन्द्रों पर बोर्ड परीक्षा संचालित होंगी। जिले में इस वर्ष 27 हजार 342 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को नकल रोकने की सख्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

प्रदेश में गिद्धों की होगी गणना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिये गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 पूरे प्रदेश में होगी जो दो चरणों की जायेगी। गिद्धों के आकलन की गणना वर्ष में दो बार की जाती है। शीतकालीन गिद्ध गणना 17, 18 एवं 19 फरवरी को होगी और ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 29 अप्रैल 2025 को की जायेगी। शीतकालीन गिद्ध गणना सुबह 7 बजे से 8 बजे तक होगी। ऐसे स्थान जहां पर ऊंची चट्टान है, उन स्थानों पर अधिकतम 9 बजे तक गणना की जा सकती है। केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की जायेगी। गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 के लिये 11 मास्टर ट्रेनर द्वारा 16 वन वृत्त में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27, 29 एवं 31 जनवरी 2025 में किया गया। प्रशिक्षण में 900 से अधिक वन अधिकारी-कर्मचारियों, गिद्ध विशेषज्ञों

और पक्षी प्रेमियों ने भाग लिया। प्रदेश में गिद्धों के संरक्षण से संबंधित गतिविधियों के अनुश्रवण के लिये एवं गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 की पद्धति पर विचार करने के लिये, तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक 20 जनवरी 2025 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) की अध्यक्षता में की गई।

सड़कों के निर्माण को समय-सीमा में पूरा करें-लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा है कि सड़कों के निर्माण को समय-सीमा में पूरा किया जाये। निर्माण कार्य में विलंब उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि टाइम एक्सटेंशन नियमों को अधिकारी सख्त बनाये। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह रविवार को इंदौर में इंदौर संभाग की विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने विलंब से चल रहे निर्माण कार्यों पर नाराजगी जताई और समय सीमा निर्धारित करने तथा टाइम एक्सटेंशन नियमों को सख्त बनाने के निर्देश दिए। सभी कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के लिए ठेकेदारों और अधिकारियों को कहा। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने सभी अधिकारियों से कहा कि लोक निर्माण का अर्थ लोक कल्याण है और समाज में

इंजीनियर एक महत्वपूर्ण घटक है। छोटा या बड़ा कोई भी इन्फ्रास्ट्रक्चर बगैर इंजीनियर की भूमिका के संभव नहीं है। इंजीनियर समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश भर में चारों तरफ निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिससे प्रदेश में प्रगति और विकास की बयार बह रही है। सभी अधिकारी अपने कार्य में गुणवत्ता लायें, कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। इंजीनियर साईट पर जाकर फिजिकल मॉनिटरिंग करें और ठेकेदार भी अपने कार्य के पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। आगामी सिंहस्थ को देखते हुये सभी निर्माण कार्यों में प्रगति लायें। श्री सिंह ने कहा कि जो अधिकारी या ठेकेदार निर्धारित समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करेगा। उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी और जो समय पर अच्छा कार्य करेगा ऐसे अधिकारियों को पुरस्कृत और सम्मानित भी किया जायेगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने मूसाखेड़ी चौराहे पर 6 लेन फ्लाय-ओवर पुल के निर्माण माध्यमिक विद्यालय का भवन निर्माण, खण्डवा जिले के छैगांव माखन में सी.एम. राईज स्कूल निर्माण सहित 37 निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली और उसकी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मूसाखेड़ी चौराहे पर 6 लेन फ्लाईओवर के सर्विस रोड पर होने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए इसे चौड़ा करने और गड्ढों को एक सप्ताह के भीतर भरने के भी निर्देश दिए।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को लेकर सरकार के साथ भोपाल का आम आदमी है तैयार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एवं बेस्ट के संरक्षक विश्वास कैलाश सारंग ने आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल में होने जा रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के संबंध में 'भोपाल एक साथ टीम-ग्रुप्रस्ड' की बैठक लेकर अभी तक किये कार्यों की समीक्षा की। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह शहरवासियों के लिये हर्ष का विषय है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित हो रहा है। समिट के दौरान भोपालवासी ही अपने शहर के ब्रांड एम्बेसडर बनें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि समिट में देश-विदेश से आने वाले सभी अतिथियों का स्वागत 'अतिथि देवो भव:' की भावना के साथ हो। जिसमें एयरपोर्ट से लेकर मुख्य आयोजन स्थल व अतिथियों के ठहरने के स्थानों तक गुजरने वाले सभी मार्गों पर बसे घरों में रहवासी स्वयं ही रंगीली बनाएं एवं लाइटिंग से सजावट करें। जिससे भोपाल की सकारात्मक छवि हमारे अतिथियों के समक्ष बनें। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि जीआईएस में आने वाले अतिथियों की सुविधा और स्वागत को लेकर शहर के विभिन्न संगठन-व्यापारी संघ, सामाजिक व शैक्षणिक क्लब, उद्योगपति, और प्रबुद्धजन-से शीघ्र ही संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल की स्वच्छता, सुंदरता और सुगम आवागमन को बनाए रखने के लिए सरकार के साथ सामाजिक संगठन मिलकर काम करें। इसके अलावा, जीआईएस के प्रचार-प्रसार में भी ये संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सामाजिक संगठन सरकार और समाज के बीच सेतु का काम करेंगे। स्वैच्छिक और सामाजिक संगठनों से व्यापक चर्चा कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर वर्ग की भागीदारी इस आयोजन में हो और जीआईएस को भव्य स्वरूप दिया जाए।

16 किमी लंबे 10 लेन अयोध्या बायपास के लिए पेड़ काटने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। तस्वीर में सड़क के दोनों तरफ दिख रही ये हरियाली अगले तीन साल के भीतर खत्म होने वाली है। दरअसल आसाराम तिराहा से करोंद होते हुए रत्नागिरी तिराहे तक 10 लेन अयोध्या बायपास के लिए कम से कम 12 हजार पेड़ काटे जाएंगे। चूंकि 30 सेमी से कम गोलाई के पेड़ों की कटाई पर रोक नहीं है, इसलिए ऐसे 4000 पेड़ तो इस गिनती में शामिल ही नहीं हैं। फिलहाल एनएचएआई सर्वे कर रहा है। यह गिनती 739 तक पहुंच गई है। पर्यावरणविद् डॉ. सुदेश वाघमारे के अनुसार इस रोड पर ज्यादातर पेड़ गुलमोहर, केशिया सेमिया, करंजी, अमलतास और यूकेलिप्टस के हैं। एक पेड़ काटने की एवज में 4 पेड़ लगाने के बराबर राशि निगम को जमा करानी होती है। प्रोजेक्ट में 8000 पेड़ काटने की अनुमति के लिए 32 हजार पेड़ लगाने के बराबर राशि जमा कराना होगी। 1450 रुपए प्रति पेड़ के हिसाब से यह 4.64 करोड़ रुपए होती है।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्ट देवांश नुवाल ने बताया कि अभी गिनती

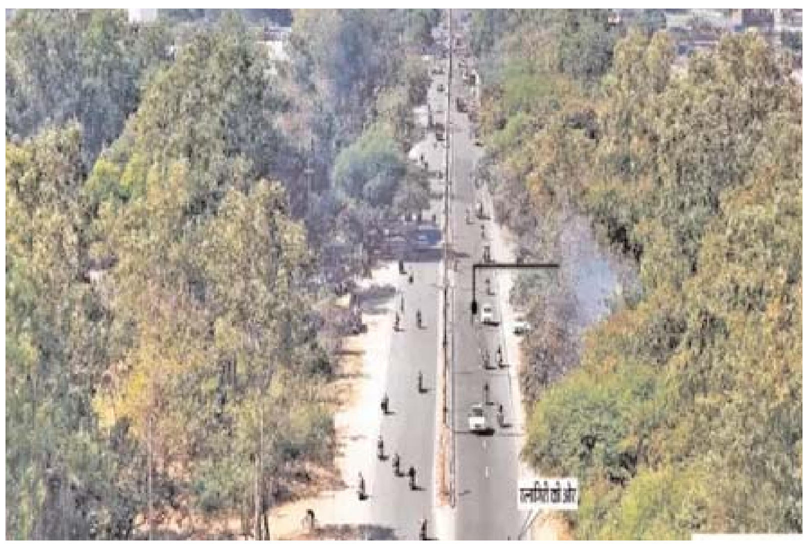

चल रही है। हम औसतन एक किमी में 333 पेड़ लगाते हैं। इस हिसाब से 16 किमी की इस रोड पर 5300 से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। इसके अलावा यदि स्थानीय प्रशासन जगह उपलब्ध कराएगा तो और पौधे भी रोपे जा सकते हैं।

16 किमी लंबे अयोध्या बायपास में मेन रोड 6 लेन की होंगी। 2-2 लेन की सर्विस रोड बनेगी। करोंद चौराहा, पीपुल्स मॉल के पास और मिनाल रेसिडेंसी के पास तीन फ्लाईओवर भी बनाए जा रहे हैं। 18 छोटे-बड़े अंडरपास भी बनेंगे। इन्हें हर 700-800 मीटर की दूरी पर बनाया जाएगा।

निगम का दावा 5517 फ्लैट तैयार, हकीकत; न बिजली है न लिफ्ट...

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोगों का पीएम आवास योजना के तहत अपने घर का सपना अभी भी अधूरा है। 5 साल से कई लोगों को गृह प्रवेश का की खुशी तो नहीं मिली, लेकिन किराया और लोन की किश्त की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। कई लोगों ने अधूरे प्रोजेक्ट में आवास ले लिए। यहां न तो लिफ्ट है, न बिजली और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं। नगर निगम की हाउसिंग फॉर ऑल के तहत 13,597 आवास स्वीकृत हुए थे। इनमें से धरातल पर 11416 आवास आ तो गए, लेकिन सिर्फ 5517 ही पूरे हो सके हैं। इनमें भी सिर्फ 4493 ने ही कब्जा लिया है। 2181 तो बनना ही शुरू नहीं हुए। पीएम आवास के तहत 25 प्रोजेक्ट चल रहे

हैं, इनमें से 8 ही पूरे हुए हैं। फ्लैट की कीमत 5.50 लाख से 55 लाख तक है। बागमुगालिया... साल 2019 से यहां 9 बिल्डिंग में करीब 550 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। इनमें से 4 ब्लॉक के 170 फ्लैट तैयार हो चुके हैं। प्रोजेक्ट साल 2024 में पूरा होना था, लेकिन 70 फीसदी से ज्यादा प्रोजेक्ट अधूरा है। यहां एक ब्लॉक में लोग रहने आ गए हैं, लेकिन न बिजली कनेक्शन हैं न लिफ्ट चालू हुई। इस प्रोजेक्ट में 1 बीएचके फ्लैट लेने वाले नीतीश देवहरे ने बताया कि 3 साल पहले फ्लैट लिया था। हर महीने 7 हजार की किश्त और 5 हजार रुपए का किराया चुका रहा हूं।

साल 2017 में 12 नंबर स्टॉप पर हाउसिंग फॉर ऑल योजना के तहत फ्लैट बनना शुरू हुआ। यहां 22 बिल्डिंग बनाई जा रही हैं जिनमें 512 फ्लैट हैं। इसे 2020 में पूरा होना था, लेकिन 2025 तक सिर्फ 216 एमआईजी फ्लैट तैयार हो पाए हैं। उनमें भी लिफ्ट आदि का काम बचा है। यहां फिनिशिंग का काम पूरा नहीं हो सका है। ईडब्ल्यूएस और एलआईजी तो आधे-अधूरे हैं।

यहां प्रधानमंत्री आवास के तहत 2880 फ्लैट तैयार किए गए। यहां रोहित ने साल 2022 में फ्लैट लिया था। उन्होंने बताया कि दावा किया गया था कि सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, भव्य गेट होगा। सुरक्षा के लिए बड़ी बाउंड्री वॉल होगी।

खाई में गिरी बोलेरो, 4 की मौत, 4 लोग घायल

सिंगरौली से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे सभी लोग

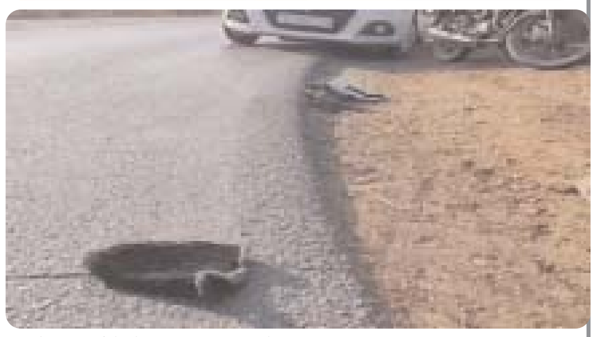

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में महाकुंभ जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। 4 लोग घायल हुए हैं। सभी को संजय गांधी अस्पताल रीवा भेजा गया है। खाई 30 फीट से ज्यादा गहरी है, लेकिन पत्थर और पेड़ों की वजह से गाड़ी 12 फीट से ज्यादा नीचे नहीं जा पाई।

हादसा रविवार-सोमवार की देर रात करीब 2 बजे मूड़ा पहाड़ पर हुआ। सभी लोग सिंगरौली के जयंत से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे। जैतपुर गांव से दो गाड़ियों में 13 लोग प्रयागराज के लिए निकले थे। इनमें एक गाड़ी में आठ और दूसरी में पांच लोग सवार थे।

स्थानीय ग्रामीणों को सुबह करीब 5 बजे हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। अमिलिया थाना प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया-

घायलों को जिला अस्पताल सीधी ले जाया गया था, जहां से सभी को गंभीर हालत में संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया गया। हालांकि उनके परिजन अपनी सुविधा से प्राइवेट वाहन के जरिए उन्हें सिंगरौली जिले के बैढ़न अस्पताल ले गए। वर्तमान में वहीं उनका इलाज चल रहा है।

हादसे में इन लोगों की मौत हुई: संदीप उर्फ सोनू साहू, प्रमोद यादव, रमाकांत साहू, सुजीत यादव

हादसे में ये लोग घायल हुए: नीरज कुमार वैश्य (23), कृष्णा वैश्य (26) पिता श्याम बिहारी वैश्य, जयंत, कृष्णा साहू पिता छद्धारीलाल साहू, प्रदीप साहू (ड्राइवर),

सभी मृतक दोस्त थे, सभी की उम्र 22 से 30 साल: मरने वाले सभी लोग दोस्त थे। सभी की उम्र 22 से 30 साल थी। जैतपुर गांव से रात में प्रयागराज के लिए निकले थे। मरने वालों में संदीप साहू कोल माइंस और प्रमोद यादव एनटीपीसी में नौकरी करते थे। रमाकांत साहू का एनसीएल में इंटरव्यू हो गया था। अगले दो महीने में वह जॉइन करने वाला था।

महाशिवरात्रि मेले के लिए व्यापारियों की लिस्ट बनाएं : कलेक्टर

अमरकंटक में पार्किंग से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक की व्यवस्था करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अमरकंटक में होने वाले 5 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले की तैयारियों को लेकर अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बैठक की। उन्होंने मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई निर्देश जारी किए।

मेले की तैयारियों में व्यापारियों की सूची तैयार करने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, अग्निशमन उपकरण, स्वास्थ्य शिविर और एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था करने के लिए कहा। पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए अमरकंटक मेला ग्राउंड के पीछे और गोंडवाना मेला ग्राउंड में पार्किंग जोन बनाए जाने पर जोर दिया। मेले के दौरान बिजली आपूर्ति और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

स्कूलों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान: कलेक्टर ने जिले में नशा मुक्ति अभियान को भी प्राथमिकता दी है। इसके तहत स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी को जागरूकता अभियान का विस्तृत कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। नशीली दवाओं की रोकथाम के लिए औषधि निरीक्षक पुलिस बल के साथ मिलकर दवा दुकानों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही, जिले में अफीम, गांजा और अन्य नशीली फसलों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के तहत विभिन्न विभागों की ओर से किए जाने वाले कामों की जानकारी आईटीआई के प्राचार्य ने दी।

ध्वनि विस्तारक यंत्र पर कार्रवाई करें: कलेक्टर ने अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं तहसीलदारों से कहा कि बोर्ड परीक्षा की टाइम टेबल जारी हो चुका है। इस दौरान बच्चे परीक्षा की तैयारी में लगे हैं, अगर किसी क्षेत्र में रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र लाउड वॉल्यूम में बजते मिलता है तो संबंधित पर कार्रवाई करें।

नाइट क्लीनिंग अभियान चलाएं: बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नाइट क्लीनिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के सभी क्षेत्रों में साफ सफाई एवं स्वच्छता बेहतर हो तथा नाइट क्लीनिंग अभियान में चल रही गतिविधियों की जानकारी फोटो सहित व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा जाए।

ई-ऑफिस से छुट्टी होगी मंजूर: बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों को 31 मार्च तक ई-ऑफिस प्रणाली में शिफ्ट होने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी अधिकारियों को 31 मार्च से अवकाश ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से स्वीकृत होगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी विभागीय नस्तियों को ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्राप्त करें।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा: कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण पूरे गंभीरता के आधार पर किया जाए।

58 साल का शातिर चोर गिरफ्तार

शहडोल, कटनी और डिंडौरी में दर्जनों वारदात कबूली, ट्रेन से करता था आवाजाही

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर पुलिस ने सोमवार को एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो रात में दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करता था। 58 वर्षीय गोपाल बैगा नाम का यह अपराधी शहडोल जिले के बुढ़ार का रहने वाला है। पुलिस ने इसके पास से चोरी का सामान और ताला तोड़ने के उपकरण बरामद किए हैं।

घटना 12 फरवरी की रात की है, जब आरोपी ने सिद्ध बाबा मंदिर के सामने स्थित किरण किराना जनरल स्टोर्स का ताला तोड़कर वारदात की। दुकान से साबुन, बिस्किट, नमकीन, तेल, डिटर्जेंट, गुटखा और सिगरेट सहित करीब 5500 रुपए का सामान और 5000 रुपए की नकदी चुरा ली।

कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ और डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच की। टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाजार के करीब 50 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे आरोपी की पहचान हो सकी।

जांच में सामने आया कि आरोपी शहडोल जिले के जयसिंह नगर, सोहागपुर, कटनी और डिंडौरी में भी चोरी कर चुका है। वह ट्रेन से यात्रा करते हुए रेलवे स्टेशन के आसपास की दुकानों को निशाना बनाता था। डिंडौरी में इस पर ट्रैक्टर चोरी का भी केस दर्ज है। आरोपी हमेशा अपने साथ लोहे की रॉड या गैंती रखता था, जो ताले तोड़ने के काम आती थी।

अवैध कोयला खदान धंसी, पति-पत्नी की दबकर मौत

जेसीबी से निकाले जा सके शव, खनन माफिया के खिलाफ ग्रामीणों का हंगामा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के बुढ़ार थाना इलाके में अवैध कोयला खदान धंस गई। इसमें दबकर पति-पत्नी की मौत हो गई। उनकी पहचान ओमकार यादव उर्फ भौतु (40) और उसकी पत्नी पार्वती यादव (36) के रूप में हुई है।

हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे धनगवां गांव में हुआ। खनन माफिया ने इसे छिपाने का प्रयास किया। जब ग्रामीणों ने हंगामा किया, तब मामला सामने आया।

जानकारी मिलते ही कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और एसपी रामजी श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। देर रात जेसीबी की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला जा सका।

पांच बेटियां हैं, बेटे की सर्पदंश से मौत हो गई थी: ओमकार और पार्वती धनगवां के अहिरान मोहल्ला के रहने वाले थे। उनकी पांच बेटियां- ममता यादव (18), रजनी यादव (15), शशि यादव (11), उर्मिला यादव (9) और शिवानी यादव (2) हैं। करीब 6 महीने पहले बेटे रवींद्र यादव की सात साल की उम्र में सांप के काटने से मौत हो गई थी।

दंपती का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। मुखाग्नि बड़ी बेटी ममता ने दी।

खदान में 5 मजदूर काम कर रहे थे: बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया- मामला धनगवां के चुनहा गढ़ई क्षेत्र में कोयले की अवैध खदान का है। हादसे के वक्त यहां पांच मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से बुदु मिश्रा, रीटू बैगा और कृष्णा यादव को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है।

इससे पहले ग्रामीणों ने खदान में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई थी। इस पर अधिकारियों ने जेसीबी से खुदाई कराई। हालांकि, दंपती के अलावा कोई और शव नहीं मिला।

ग्रामीण बोले- लंबे समय से चल रहा अवैध खनन: ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी को बताया कि गांव में पिछले कई महीनों से कोयले की अवैध खदानें चल रही हैं। हर दिन कई मजदूर सुरंग के अंदर घुसकर कोयला निकालने का काम करते हैं। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय अधिकारियों को दी गई, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों के अनुसार, जिस खदान में हादसा हुआ, वह सोन नदी से लगी है। यह एक किलोमीटर में फैली है। यहां हर दिन 70 से ज्यादा लोग कोयले का अवैध खनन करते हैं। फिर समूह बनाकर 3000 रुपए प्रति ट्रैक्टर-ट्रॉली के रेट से कोयला बेचते हैं। एक समूह 5 मजदूरों का होता है। कोयला बेचकर मिले पैसे आपस में बांट लेते हैं।

जेसीबी से ध्वस्त कीं इलाके की सभी खदानें: ग्रामीणों की शिकायत पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने ऐसी सभी खदानों को बंद करने के निर्देश दिए। तुरंत एक्शन में आते हुए प्रशासनिक अमले ने जेसीबी की मदद से खदानों को बंद करने का काम शुरू कर दिया।

खदान के मुहाने पर बनी झोपड़ी में दिखे पुलिसवाले: जब ग्राउंड जीरो पर पहुंची तो जेसीबी उन खदानों को बंद करती मिली, जिनसे कोयला नहीं निकल रहा है। जहां से कोयला निकल रहा है, उनको बंद नहीं किया गया।

पास ही बनी एक झोपड़ी में एएसआई अमृत लाल परस्ते, कॉन्स्टेबल आकाश कुमार और गिरीश कुमार कुछ लोगों के साथ बैठे नजर आए। टीम को देखते ही वो हड़बड़ाहट में उठे और वहां से निकल गए।

गौपालन एवं गौसंवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गौशाला परियोजना समन्वय समिति एवं जिला गौपालन एवं गौसंवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होने निर्देशित किया है कि जिले में स्वीकृत नवीन गौशालाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाये तथा पूर्ण हो चुके गौशालाओं को संचालित करने की प्रक्रिया तत्काल की जाये। कलेक्टर सोमवंशी ने गौशाला संचालकों को निर्देशित किया है कि गौशाला हेतु उपलब्ध कराई गई राशि का ब्यौरा गठित टीम को उपलब्ध कराये।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, डीएसपी गायत्री तिवारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत शिविर 20 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत मत्स्य क्षेत्र के औपचारिकी करण हेतु विकसित किये गये नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफार्म पर मत्स्यपालकों तथा मत्स्यपालन से जुड़ी संस्थाओं के पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग जिला सीधी द्वारा उक्त पोर्टल पर पंजीयन हेतु जिले के व्यक्तिगत मत्स्य पालकों, मत्स्य विरे्ताओं, मछुआ समूहों तथा मछुआ सहकारी समितियों के सदस्यों के पंजीयन का कार्य विभागीय अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के कॉमन सर्विस सेंटर के सहयोग से निरंतर किया जा रहा है।

मत्स्य पालन कार्य से जुड़े ऐसे समस्त हितधारकों जिन्होंने अब तक नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफार्म पर पंजीयन नहीं किया है, उनके पंजीयन हेतु 20 फरवरी को कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग जिला सीधी में कार्यालयीन समयावधि में शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में मछुआ सहकारी समितियों/मछुआ समूहों के सदस्यों, निजी मत्स्य कृषकों एवं मत्स्याखेट करने वाले मछुआरों तथा मत्स्य विरे्ताओं का निःशुल्क पंजीयन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु जानकारी प्रदाय की जाएगी।

जिले में मत्स्य पालन की गतिविधियों में संलग्न सभी मछुआरों से इस शिविर का लाभ उठाकर पंजीयन कराने की अपील की गई है। पंजीयन के लिये आधारकार्ड, बैंक पासबुक एवं आधार से लिंक मोबाइल नम्बर साथ में लाना अनिवार्य होगा।

प्रयाग से लौट रही ट्रेनी डॉक्टर की मौत

ड्राइवर को नींद की झपकी आने से ट्रक में घुसी कार, परिवार के सदस्य 4 गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में ट्रेनी डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के चार अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सागर-कानपुर-महोबा रोड पर महतो पेट्रोल पंप के पास हुआ।

प्रयागराज से लौट रही कार के ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी को काटकर घायलों को बाहर निकालना पड़ा। जिला अस्पताल में पदस्थ ट्रेनी डॉक्टर सान्या (25), जो संदीप टिकरया की पुत्री थीं, की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल हुए अन्य लोगों में 13 वर्षीय आलोक (राहुल का पुत्र), 35 वर्षीय नेहा (राहुल की पत्नी), 20 वर्षीय सास्वत (संदीप का पुत्र) और 37 वर्षीय राहुल (कल्याण का पुत्र) शामिल हैं। सभी टिकरया मुहल्ला गल्ला मंडी के निवासी हैं। डॉक्टर तौफीक राजा ने सभी घायलों को गंभीर हालत में झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर के अनुसार मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की जांच जारी है।

सतना जिले के साथ छल करना बंद करें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विकास के नाम पर सतना जिला आज भी 22 साल पीछे चल रहा है जो भी सौगात जिले को मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही है। जारी विज्ञप्ति के माध्यम से यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव देवांश सिंह कान्हा परसवारा ने वर्तमान सरकार और स्थानीय जतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सतना जिले के साथ छल करना बंद करें वरना उग्र आंदोलन किया जाएगा। सिंह ने कहा कि बड़ी मुश्किल से जिले को मेडिकल कॉलेज मिला उसे भी समाप्त किए जाने का प्रयास किया गया है जो बजट आया उसे भी छीन कर ले गए इसी तरह सतना हवाई अड्डे को जानबूझकर छोटा कर दिया गया इस तरह की चालाकी से यूथ कांग्रेस में बेहद नाराजगी है।

गांव-गांव पीले चावल बांट आमंत्रित किया जा रहा

23 को बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखेंगे प्रधानमंत्री

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बागेश्वर धाम में आगामी दिनों में होने वाले भव्य कार्यक्रमों की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखेंगे। इसी कड़ी में 26 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगी।

कार्यक्रम की तैयारियों के तहत सोमवार को ग्राम झमटुली में घर-घर जाकर पीले चावल बांटकर लोगों को आमंत्रित किया गया। स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि राजू पटेल ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह पारंपरिक तरीका अपनाया गया है।

महोत्सव की शुरुआत 19 फरवरी से कलश यात्रा के साथ होगी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने प्रधानमंत्री मोदी को देवर्षि विश्वामित्र की तरह विश्व मित्र की भूमिका निभाने वाला बताया। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार शाम 5 बजे खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचेंगे और 5:30 बजे बागेश्वर धाम पहुंचकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात करेंगे। 23 फरवरी की शाम को एक विशेष कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा।

अब आधुनिक तरीके से स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है सीमेंट ईंटो का निर्माण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड सीधी अन्तर्गत ग्राम पंचायत कारीमाटी ग्राम कराहिया में गठित दुर्गा स्व सहायता समूह के 04 सदस्यों द्वारा प्रारम्भ में परम्परागत तरीके से मिट्टी के ईट निर्माण का कार्य किया जा रहा था जिसमें आमदनी तो हो रही थी पर ज्यादा संख्या में ईट तैयार करने में अधिक समय लगता था। प्रारम्भ में समूह द्वारा एक दिन में केवल 1500 से 2000 ही ईट तैयार होती थी एवं महीने में 7 से 8 हजार रूपये तक ही आमदनी हो रही थी।

वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास एवं शासकीय भवन निर्माण में सीमेन्ट की ईटों के प्रचलन के कारण मिशन द्वारा समूह को सीमेन्ट की ईंट तैयार किये जाने हेतु समझाइश दी गई। इस संबंध में सीमावर्ती जिले सिंगरौली में डस्ट की उपलब्धता, बाजार की मांग एवं प्रतिस्पर्धा को दृष्टिगत रखते हुये समूह द्वारा सीमेन्ट की ईंट तैयार करने का निर्णय लिया गया। सीमेन्ट ईंट निर्माण का कार्य प्रारम्भ करने के लिये समूह द्वारा बैंक ऋ्रण/सीसीएल के माध्यम से राशि रू. 5 लाख का ऋ्रण प्राप्त कर आधुनिक आटोमैटिक मशीन क्रय की गयी तथा सीमेंट ईंट निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया।

ईंट निर्माण हेतु कच्चा माल एवं सामग्री स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से वर्तमान में प्रति दिवस 4-5 हजार ईंटों का निर्माण किया जा रहा है। निर्मित ईंटों को स्थानीय स्तर पर विक्रय का कार्य किया जा रहा है, जिससे माह में 30 से 40 हजार प्रतिमाह आमदनी हो रही है।

सचिव दुर्गा स्वसहायता समूह संतोष गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में समूह के सदस्यों द्वारा मशीन के माध्यम से ईंट निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे कम समय में अधिक उत्पादन हो रहा है एवं समूह सदस्यों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही बाजार व्यवस्था सुगम होने के कारण उत्पाद स्थानीय स्तर पर विक्रय हो रहा है, इसके लिए आजीविका मिशन को उन्होंने धन्यवाद दिया है।

शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। स्वयं भी शिकायतकर्ताओं से संपर्क करेंगे तथा अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टि के साथ निराकरण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आगामी एक सप्ताह में अभियान चलाकर अधिक से अधिक शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर द्वारा समस्त उपखण्ड अधिकारियों तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों को 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को अभियान चलाकर संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होने निर्देशित किया है कि इस कार्य में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

बोर्ड परीक्षाओं में रखें कड़ी निगरानी: कलेक्टर ने कहा कि आगामी समय में जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सम्पन्न होनी है। सभी बोर्ड परीक्षाओं की सुचिता बनी रहे तथा शांतिपूर्ण ढंग से निर्विघ्न परीक्षाएं सम्पन्न हों। जिले में पेपर लीक या सामूहिक नकल जैसी घटनाएं नहीं हो। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को बोर्ड परीक्षाओं के दौरान कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, डीएसपी गायत्री तिवारी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्यालय में मनाया गया मातृ-पितृ पूजन दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूज्यपाद संत आशाराम बापू अहमदाबाद द्वारा संचालित श्री योग वेदान्त सेवा समिति के तत्वाधान में विगत 19 वर्षो से तय कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11.00 बजे शास्त्री नगर धर्मशाला में व दोपहर 2.00 बजे जेल मार्ग स्थित सरस्वती विद्यालय में माता पिता पूजन का कार्यक्रम हुआ, जिसके मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक घनश्यामदास तमेर व इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश सचदेवा जी ने की। अपने उद्बोधन में घनश्याम दास तमेर जी ने कहा कि छत्तसीगढ के बाद रीवा सरस्वती विद्यालय में यह पहला कार्यक्रम हैं यह पूरे मध्यप्रदेश में कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिये। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं द्वारा रोशनलाल सभाघर में अपने-अपने माता पिता का पूतन, तिलकवन्दन एवं आरती उतार कर किया गया।

विचार

अमेरिका की न्यायपालिका और भारत की न्यायपालिका?

अमेरिका की अदालतें सरकार के मनमाने निर्णय पर रोक लगा रही हैं। अमेरिका की अदालत को देखकर भारतीय न्यायपालिका की कलई खुलती चली जा रही है। भारत में सरकार की तानाशाही की चक्की में सब पिस रहे हैं। भारतीय न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार के सामने समर्पण कर दिया है। अमेरिका के संवैधानिक संस्थान सरकार के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जुडिशरी ओर वहां के जज सरकार के गलत फैसलों के सामने झुकने को तैयार नहीं है। एलन मस्क और ट्रंप की तानाशाही का असर वहां की न्यायपालिका पर नहीं पड़ रहा है। अमेरिका की न्यायपालिका जरा भी भयभीत नहीं है। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहॉ की न्यायपालिका अपने निर्णय पूरी स्वतंत्रता के साथ ले रही है। जिसके कारण न्यायपालिका और सरकार के बीच टकराव देखने को मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार के छह निर्णय जो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर थे। अमेरिका के जजों ने पलट दिए हैं। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क और उपराष्ट्रपति जेड़ वेंस नाराज हो गए हैं। बेंस ने कह दिया न्यायपालिका अपनी हद पार कर गई है। वह ट्वीट करते हैं, जजों को एग्जीक्यूटिव की कानूनी शक्तियों को रोकने की इजाजत नहीं दी जाएगी। एलन मस्क ने भी ट्वीट किया। एक जज को पूरी जिंदगी जज बने रहने का विचार एक बकवास है। जजों को उठा के अटलांटिक में फेंक दो। अमेरिका की न्यायालयों ने ट्रंप सरकार के 6 फैसले पलट दिए हैं, या फैसलों पर रोक लगा दी है। बर्थ राइट सिटीजनशिप के निर्णय पर सीटल के एक जज ने रोक लगा दी। उससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने इसी फैसले के ऊपर रोक लगा दी। तीसरे जज ने भी इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीन जजों ने इस निर्णय को रोक दिया है। ट्रंप सरकार का दूसरा निर्णय सरकारी कर्मचारियों को बाहर निकालने का था।20 लाख सरकारी कर्मचारियों को 6 फरवरी की डेडलाइन दी गई थी। 65000 लोगों ने इसको स्वीकार किया। नौकरी से निकलने के निर्णय के खिलाफ कर्मचारी यूनियंस कोर्ट मे चले गए। कोर्ट के फेडरल जज ने सरकार के इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीसरा निर्णय यूएस एड को खत्म करने का फैसला था।1960 के दशक में यूएस द्वारा मदद शुरू की गई थी। कई देशों में 100 से ज्यादा यूएस एड के तहत प्रोग्राम चलते हैं।वहां पर भी हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया। यह एलन मस्क का फैसला था। इस निर्णय को कोर्ट के अंदर चैलेंज किया गया।उसके बाद जज साहब ने इस निर्णय पर पूरी तरह से रोक लगा दी। एक फेडरल जज ने जिन लोगों को सरकार ने जबरिया छुट्टी पर भेजना और उसकी रिपोर्ट करने का ऑर्डर दिया था। उस निर्णय पर भी एक संघीय जज ने रोक लगा दी। चौथा फैसला फेडरल हेल्प फेडरल ग्रांट्स का था। इसमें एनजीओ होते हैं। नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन होती हैं।

त्योहार-संस्कृति एवं जीवन-संस्कारों को धुंधलाने का दौर

ललित गर्ग

पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण हमने न केवल भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला दिया है, बल्कि वैलेंटाइन डे जैसे पर्वों को महिमामंडित कर दिया है। भारत के प्रत्येक भू-भाग के अपने त्यौहार हैं, कुछ समान हैं तो कुछ उस भू-भाग की विशिष्टता लिए। परंतु इन्हें भी विकृत करने का व्यापक प्रयास हो रहा है। हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फुहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और बड़े व्यावसायिक संस्थान अपने लाभ के लिए देश में ऐसे उत्सवों/पर्वों को स्थापित कर रहे हैं, जिनका हमारी संस्कृति से मेल नहीं है। फेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेंटाइन डे-ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं?

भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं। यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद उसके साथ कुछ गलत हुआ है, और वह गलत दिनोंदिन गहराता गया है जिससे सारा माहौल ही प्रदूषित हो गया है, जीवन के सारे रंग ही फिके पड़ गये हैं, हम अपने ही भीतर की हरियाली से वंचित हो गए लोग हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार। न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में सामूहिकता का स्वर, बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूं लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। क्या यह प्रतीक्षा झूठी है? क्या यह अगवानी अर्थशून्य है? विदेशों की उपभोक्ता संस्कृति की अंधी नकल ने हमारी जीवनशैली, परिवार परम्परा, त्यौहार, खानपान, विचार आदि को दूषित किया है। बच्चे अच्छे से अच्छे शरबत की अपेक्षा कोल्ड डिंक्स में अधिक रुचि रखते हैं। वाह! क्या आकर्षण है इन पेयों का और इन अंग्रेजी नामों का। मेकडोनाल्ड बच्चों के सिर चढ़कर बोल रहा है, पिज्जा, नूडल्स, चाउमीन ये सब आधुनिक खान-पान है। यह सब हमारी बदली मानसिकता का द्योतक है। दावतों एवं 'प्रीतिभोज' में 'बुफे' संस्कृति भी खूब चल पड़ी है। भारतीय परिस्थितियों में यह पूर्णतः 'गिद्ध भोज' दिखाई देता है। पहनावे की तो बात ही न पूछो। क्या सोशल मीडिया शरीर पर न्यूनतम कपड़ों को दिखाने की होड़ में नहीं लगा हैं? हमने क्यों अपनाया 'टाइट जीन्स', 'मिनी स्कर्ट' तथा 'हॉट पेंट्स' को। क्या साड़ी-ब्लाउज, सलवार कुर्ता, काँचली-कुर्ती, ओढ़नी-घाघरा कम आकर्षक हैं? हम क्यों माता-पिता की छवि को आहत करते हुए उन पर अश्लील टिप्पणियां करते हुए स्वयं को आधुनिक मानते हैं? यह संस्कृति एवं संस्कारों को धुंधलाना नहीं है तो क्या है?

परिवार वह इकाई है, जहाँ एक ही छत के नीचे, एक ही दीवार के सहारे, अनेक व्यक्ति आपसी विश्वास के बरगद की छाँव और सेवा, सहकार और सहानुभूति के घेरे में निश्चित रहते हैं। परिवार वह नीड़ है, जो दिन-भर से थके-हारे पंछी को विश्राम देता है। लेकिन मियाँ, बीवी व बच्चों की इकाई ही आज परिवार है, इस एकल परिवार संस्कृति वाले दौर में माँ-बाप, भाई-बहन की बात करना बेमानी लगता है। परंतु लगता है जहाँ पति-पत्नी दोनों ही अर्थोपार्जन के लिए नौकरी या व्यवसाय करते हैं, उन्हें संयुक्त परिवार और कम से कम माता-पिता या किसी बुजुर्ग की याद आने लगती है। हाँ 'बेबी सिटर', 'आया' या 'क्रेच' भी यह काम कर लेगा, परंतु परिवार की गरमाहट तो वह दे नहीं सकता। स्वस्थ परिवारों एवं भारतीय संस्कृति की संस्कार-सुरभि ही समाज और राष्ट्र की काया को स्वस्थ/प्रफुल्ल रख सकती है। और इसी से बिखरते संयुक्त परिवार एवं जीवन मूल्यों को बचाया जा सकता है। देश को अपनी खोयी प्रतिष्ठा पानी है, उन्नत चरित्र बनाना है, स्वस्थ समाज की रचना करनी है और समृद्ध संस्कृति को ऊच्च शिखर देने हैं तो हमें एक ऐसी जीवनशैली को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे। कदाचार के इस अंधेरे कुएँ से निकले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, हमें खोज सुख की नहीं सत्व की करनी है क्योंकि सुख ने सुविधा दी और सुविधा से शोषण जनमा जबकि सत्व में शांति के लिये संघर्ष है और संघर्ष सचाई तक पहुंचने की तैयारी। हमें स्वयं की पहचान चाहिए और सारे विशेषणों से हटकर इंसान बने रहने का हक चाहिए। इस खोए अर्थ की तलाश करनी ही होगी। उपभोक्ता बनकर नहीं मनुष्य बनकर जीना नए सिरे से सीखना ही होगा।

संस्कृति और मूल्यों के नष्ट अध्यायों को न सिर्फ पढ़ना-गढ़ना होगा, बल्कि उन्हें नया रूप और नया अर्थ भी देना होगा। एक नई यात्रा शुरू करनी होगी। इसके लिये हमारे पर्वों एवं त्यौहारों की विशेष सार्थकता है। श्रीकृष्ण ने कहा है- जीवन एक उत्सव है। उनके इस कथन पर भारतीयों का पूर्ण विश्वास है। हम जीवन के हर दिन को उत्सव की तरह जीते हैं, ढेरों विसंगतियों और विद्रूपताओं से जूझते हुए। संकट में होशमंद रहने और हर मुसीबत के बाद उठ खड़े होने का जज्बा विशुद्ध भारतीय है और ऋतु-राग गुनगुनाते हुए अलग-अलग मौसम में उत्सव मनाने का भी। यही वजह है कि हम गर्व से कहते हैं- फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी... पर इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि बदलती दुनिया के असर से उत्सवधर्मिता का जज्बा काफी प्रभावित हो रहा है। सबसे ज्यादा हमारे पर्व और त्यौहार की संस्कृति ही धुंधली हुई है। खेद की बात है कि हमने पश्चिम की श्रेष्ठ परम्पराओं को आत्मसात नहीं किया, बल्कि उसके उपभोक्तावाद एवं अपसंस्कृति के शिकार बने। हमें भारतीय पर्व और त्यौहार की संस्कृति को समृद्ध बनाना होगा। प्रयागराज का महाकुंभ ऐसी ही समृद्धि ला रहा है। वहां भोर का उगता सूरज, बल खाती नदी, दूर तक फैला मैदान, सिंदूरी शाम, दूर से आती ढोलक की थाप, पीछे छूटती दृश्यावलियां... हमारे भीतर रच-बस जाती हैं। यही सब जीवन की संपदाएं हैं, हमारे अंतर में जगमगाती-कौंधती रोशनियां हैं, जिनकी आभा में हम उस सब को पहचान पाते हैं जो जीवन है, जो हमारी पहचान के मानक हैं, जो हमारी संस्कृति है। हम भारत के लोग इसलिए विशिष्ट नहीं हैं कि हम 'जगतगुरु' रहे हैं, या हम महान आध्यात्मिक अतीत रखते हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कड़ा है मुकाबला, भारत की साख दांव पर

आदर्श प्रकाश सिंह

क्रिकेट की दुनिया में एक बार फिर से चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी हो गई है। इसी महीने की 19 तारीख से इसका शुभारंभ पाकिस्तान की धरती से हो रहा है। इसे मिनी विश्व कप भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में आईसीसी वनडे रैंकिंग की आठ टीमें भाग लेती हैं। आईसीसी ने उन देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए चैम्पियंस ट्राफी की शुरुआत की जहां टेस्ट मैच नहीं खेले जाते हैं। इसीलिए पहली चैम्पियंस ट्रॉफी 1998 में बांग्लादेश में खेली गई। इसके बाद इसका आयोजन 2002 में कीनिया में हुआ। 2013 में भारत इसका विजेता रहा है। पहले यह हर दो साल पर खेली जाती थी। इस बार 50 ओवरों के फार्मेट में इसके मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इस नाते भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान की दलील थी कि जब उसकी टीम विश्व कप खेलने भारत जा सकती है तो भारत की टीम को भी पाकिस्तान आना चाहिए। पिछले साल यह मामला काफी चर्चा में रहा कि भारत सरकार क्या रवैया अपनाएगी, अपनी टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति मिलेगी या नहीं? आखिरकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच यह तय हुआ कि भारत अपने मैच किसी तटस्थ देश में खेलेगा। इसके लिए संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई को चुना गया जहां पहले भी भारत खेल चुका है। अब अगर भारत फाइनल या सेमी फाइनल में पहुंचता है तो भी वह अपने मैच दुबई में ही खेलेगा। हम सब जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास है। इसके चलते द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसके लिए हाइब्रिड माडल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी दोनों देश तटस्थ स्थान पर खेल रहे हैं। दो साल पहले एशिया कप भी इसी आधार पर खेला गया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले और प्रतियोगिता में विजय भी पाई।

पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून- 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके। उसके बाद यह प्रतियोगिता काफी दिनों तक स्थगित रही। अब 2025 में इसकी वापसी हो रही है। विश्व की आठ प्रमुख टीमें इसके लिए मैदान में उतरेंगी। भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा। विश्व कप-2023 में मिली पराजय को भारत भूला नहीं है। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए थे। इसके बाद एकदिवसीय प्रारूप में खेली जाने वाली यह पहली स्पर्धा होगी। भारत पिछले जख्म का बदला लेना अवश्य चाहेगा। इस नाते हम कह सकते हैं कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है। इंग्लैंड के साथ मौजूदा सीरीज में हमारा प्रदर्शन बढ़िया रहा है। भारत टी-20 सीरीज 4-1 से जीत गया है और वनडे सीरीज में भी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर में वनडे सीरीज का पहला और कटक में रविवार को हुआ दूसरा मैच भारत ने चार विकेट से जीत लिया है। इससे चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अच्छा अभ्यास हो गया है। भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है जो सीमित ओवरों के मैच में सफल खिलाड़ी रहे हैं। मगर, पिछले कुछ महीनों से उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में रोहित बुरी तरह नाकाम रहे। हालत यह थी कि आखिरी टेस्ट में उन्हें बाहर बैठना पड़ा। भारत में यह पहली बार हुआ जब खराब प्रदर्शन के कारण कप्तान को ही मैच में नहीं उतारा गया। उनके कॅरियर पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं। पर, उनका कहना है कि मैं अभी संन्यास नहीं लूंगा। नागपुर वनडे में रोहित का बल्ला नहीं चला। वह दो रन बना कर आउट हो गए। लेकिन कटक में 119 रनों की पारी खेल कर उन्होंने फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं। रोहित से ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले उनका लय में लौटना आवश्यक भी था। विराट कोहली का बल्ला भी काफी दिनों से खामोश है। नागपुर में वह चोट के कारण नहीं खेले लेकिन कटक में उनके बल्ले से केवल 5 रन निकले। विराट और रोहित का यह आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है क्योंकि दोनों पर उम्र का प्रभाव दिख रहा है। इन दोनों के निराशाजनक प्रदर्शन से टीम का पराजय का मुंह देखना पड़ता है। उप कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। यह शुभ संकेत है, पर केएल राहुल ने निराश किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह का फिट होना बहुत जरूरी है। इसी कारण इंग्लैंड के विरुद्ध मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया। मोहम्मद शमी लगभग एक साल बाद वापसी कर रहे हैं। बुमराह और शमी अगर पूरी तरह फिट रहे तो भारत की संभावनाएं काफी प्रबल हो जाएंगी। अक्षर पटेल का हरफनमौला प्रदर्शन भारत के लिए बोनस की तरह है। आशा है, रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और भारत इस आईसीसी ट्रॉफी को जीत कर विश्व कप-2023 की हार का गम करेगा।

मेरा वोट मेरा अधिकार को दृष्टांत किए स्वास्थ्य मंत्री

सुघर छत्तीसगढ़, सुघर विधानसभा और सुघर गांव का निर्माण करेंगे आज गांव के देवतुल्य मतदाता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आज खड़गवां में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 का मतदान हुआ। सुबह के 11 बजे तक ही बड़ी संख्या में मतदान करने गांव के आम नागरिक पोलिंग बूथ तक पहुंचे। 11 बजे तक ही कुल 32.96 प्रतिशत मतदान हुआ जिसमें पुरुष वर्ग ने 32.59 प्रतिशत और महिला वर्ग ने 33.32 प्रतिशत मतदान किया। ज्ञात हो कि नगरीय निकाय 2025 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर अपने निवास में जिला पंचायत क्षेत्र के समस्त ग्रामीणों से चुनाव के संबंध में ग्रामीणों से बातचीत और जनसंपर्क कर भाजपा को जिला पंचायत समेत जनपद और ग्राम पंचायतों में कमल खिलाने की अपील की। दरअसल चुनाव में मिले अल्प समय के बावजूद श्री बिहारी ग्राम पंचायतों में ताबड़तोड़ दौरा कर प्रत्याशियों के पक्ष में वोट करने अपील करते नजर आए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत रतनपुर से दौरा कार्यक्रम की शुरुआत की। खड़गवां जनपद के ग्राम रतनपुर के बैगा पारा, जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 10 खड़गवां, ग्राम पंचायत पोड़ीडीह, ग्राम पंचायत पैनारी, ग्राम पंचायत मेंड्रा, ग्राम पंचायत कोड़ा और ग्राम पंचायत बेलबहरा पहुंचे और ग्राम वासियों से उनका कुशलक्षेम पूछते हुए भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया मतदान: पहले मतदान फिर कोई काम को साकार करते हुए स्थानीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने अमूल्य मत का प्रयोग कर वोट दिया। इस अवसर पर श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है, अपने मत का प्रयोग कर हम एक ऐसी सरकार चुनते है जो देश के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाता है। मतदान करने से पूर्व हमें किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए अन्यथा हमारा एक वोट ऐसी जगह चला जाता है जो बाद में हमारे लिए चिंता का कारण बनता है इसलिए अपने अमूल्य वोट का प्रयोग आप सब जरूर करे और एक स्वच्छ, ईमानदार, आपके सुख दुख में खड़ा रहने वाले जनप्रतिनिधि का चयन करे।

गृह ग्राम रतनपुर में परिवार संग सेल्फी: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपने परिवार संग ग्रामीण भारत की सरकार बनाने के लिए निज निवास से मतदान करने खड़गवां के ग्राम पंचायत रतनपुर के शासकीय प्राथमिक शाला मतदान केंद्र पहुंचे। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ उनकी धर्म पत्नी कांति जायसवाल, बड़े भाई परमानंद जायसवाल, मां चंद्रवती जायसवाल जी, पुत्री कंचन जायसवाल भी मौजूद रही। इस दौरान परिवार के सभी सदस्यों द्वारा अपने अमूल्य मत और अधिकार का प्रयोग किया गया तत्पश्चात परिवार संग सेल्फी लेकर मेरा मत मेरा अधिकार को मंत्री और उनका पूरा परिवार दृष्टांत किए।

शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए प्रशासन है चुस्त: त्रस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत विकासखंड खड़गवां में आज ग्रामीण अपने मतदान का प्रयोग किए इसके लिए दलों को मतदान सामग्री के साथ मतदान केंद्रों के लिए रवाना एक दिन पूर्व ही कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार 24 बसों और 1 बोलेरो वाहन के माध्यम से इन दलों को निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी हेतु रवाना किया गया। इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, वाहन व्यवस्था नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी की उपस्थिति रही। मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस बल, राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी निर्वाचन अधिकारी द्वारा सुनिश्चित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने 17 फरवरी को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारियों का निरीक्षण किया। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

मतदान के बाद बोले मंत्री: आज का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव छत्तीसगढ़ की खुशहाली के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के चयन का चुनाव है। हमारी माता बहने यह भलीभांति जानती है कि उन्हें कैसा जनप्रतिनिधि चाहिए, हमारी माता बहनों ने साय सरकार के 13 महीनों के कार्यकाल को भी देखा है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार ने चुनाव में जो जो वायदे किए थे उसे पूरा करने में कोई कसर नहीं की है। माता, बहनों से किया हमने वायदा निभाया है, किसानों को धान के एक एक दाना का मूल्य दिया है। आज किसान खुश है। महिलाएं अपने पैरों में खड़ा हो रही है। प्रदेश के 10 नगर निगमों में शहर की आम जनता ने भरोसा जताया और 10 के 10 नगर निगमों में कांग्रेस का सफाया कर भाजपा का कमल खिलाया है। निगम 2025 के चुनाव में मिला जनादेश इस बात का सूचक है कि सरकार के कामों से आम जन जीवन खुशहाल हुआ है और अब शहर की जनता भी शहर सरकार को ट्रिपल इंजन के रूप में भाजपा के झोली में डाला है और अब 2025 त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का आज मतदान हो रहा है आप देखेंगे कि प्रदेश के निगमों की तरह ही जिला पंचायत, जनपद और ग्राम पंचायतों में भाजपा की ऐतिहासिक विजय होगी और हम सब मिलकर नए छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाकर सुघर छत्तीसगढ़, सुघर विधानसभा और सुघर गांव का निर्माण करेंगे।

जहरीले टमाटर की चटनी खाने से महिला की मौत

चूहे मारने के लिए जहर डालकर टमाटर नीचे रखा, पति ने टोकरी में डाला

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा जिले में चूहा मारने के लिए जहर डाले गए टमाटर की चटनी खाने से महिला की तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उस टमाटर को महिला के पति ने गलती से गिरा समझकर उपर टोकरी में रख दिया था। मामला कटघोरा थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, बिंजरा गांव में कार्तिक राम मजदूरी करता है। उसे फोन पर जानकारी मिली की उसकी पत्नी बसंती की हालत खराब है और उल्टी-दस्त कर रही है। जब मौके पर पहुंचा तो उसने बताया कि कुछ देर पहले ही बसंती टमाटर की चटनी खाई है।

आनन-फानन में अस्पताल लाया गया: पत्नी बसंती को तुरंत जिला मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर ने बताया कि, परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और मामले की जांच संबंधित थाने को भेजी जाएगी।

गलती से टोकरी में रखे टमाटर की बनाई थी चटनी: पुलिस की पूछताछ में कार्तिक राम ने बताया कि, चूहों से परेशान होकर बसंती ने टमाटर में इंजेक्शन के जरिए जहर डाला था। चूहे मारने का दवा डालने के बाद टमाटर को नीचे रखकर वह जंगल में पत्ता तोड़े चली गई थी। इस बीच जब कार्तिक ने नीचे गिरा टमाटर देखा। कार्तिक को लगा कि, टमाटर गलती से नीचे गिरा है, और उसने दवा भरे टमाटर को वापस टोकरी में रख दिया। इसके बाद वह मजदूरी करने निकल गया।

वापस आकर महिला ने बनाई उसी टमाटर की चटनी: इस बीच कार्तिक की पत्नी बसंती जंगल से पत्ता तोड़कर घर पहुंची। उसने भूख मिटाने के लिए टमाटर की चटनी बनाई। अनजाने में टोकरी में रखा वही टमाटर बसंती के हाथ लगा जिसमें दवा डली हुई थी और जिसे पति ने धोखे से वहां रख दिया था। इसे खाकर ही उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई।

2 बच्चों की मां थी बसंती: फिलहाल, महिला का पोस्टमॉर्टम कर उसका शव परिजन को सौंप दिया गया है। मृतिका बसंती की मौत के बाद दो बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। बिंजरा गांव में हुई इस घटना से लोग भी हैरान हैं।

बारात में 2 युवकों को चाकू से गोदा

बच्चे को मारने के विवाद में हमला, एक के सीने का नीचला हिस्सा डैमेज

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जांजगीर-चांपा जिले के चांपा में बंधवा तालाब के पास बारात में डीजे पर नाच रहे दो युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। घटना में साहिल पटेल (25) और राम धान पटेल (22) गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना उस समय हुई जब ग्राम गोविंदा से आई बारात में डीजे पर डांस चल रहा था। इसी दौरान गोलू मांझी और श्रवण नाम के दो युवक वहां पहुंचे और एक बच्चे को साथ लेकर आए। उन्होंने आरोप लगाया कि बारात में किसी ने बच्चे को मारा है। वे जबरन बच्चे से मारने वाले की पहचान करवाने की कोशिश करने लगे।

कुछ देर बाद दोनों आरोपी फिर लौटे और राम धान पटेल पर चाकू से हमला कर दिया। जब साहिल पटेल ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उस पर भी चाकू से वार किया गया। बारातियों ने घायल युवकों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, राम धान पटेल की स्थिति अधिक गंभीर है। उसकी पीठ पर 3 इंच चौड़ा और 4 इंच गहरा घाव है, जिससे सीने के नीचे का हिस्से में गहरी चोटी पहुंची है। साहिल पटेल को अपेक्षाकृत कम गंभीर चोटें आई हैं। चांपा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक साथ 6 शवों का अंतिम संस्कार

कलमीडुग्गी में मातम, बच्चों के भी छलके आंसू, महाकुंभ जाते वक्त बस से टकराई थी बोलेरो

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा के कलमीडुग्गु में एक साथ 6 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। मुक्तिधाम में परिजनों के साथ बड़ी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे। सुबह कोरबा में जब एक साथ 9 शव पहुंचे तो अपनों को इस हालत में देख परिजन बिलख पड़े। इस दौरान वहां मौजूद बच्चों के भी आंसू छलक आए।

महाकुंभ जाते वक्त सड़के हादसे में कोरबा के 10 लोगों की मौत हो गई थी। 2 दिन आद आज सुबह शवों को कोरबा लाया गया। कलमीडुग्गु गांव में एक साथ 6 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। एक शव का अंतिम संस्कार पहले ही प्रगतिनगर के नदियाखार में कर दिया गया। वहीं लोरमी में आज सुबह 2 और जांजगीर चांपा में 1 शव का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले शव पहुंचने की सूचना पर कलमीडुग्गू पहुंचे छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन सहित भाजपा और कांग्रेस के कई नेताओं ने मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। मंत्री देवांगन ने शोक व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक लाख की सहायता राशि देने की बात कही।

बता दें कि यूपी के प्रयागराज में शुक्रवार रात बस और बोलेरो की भीषण टक्कर में कोरबा जिले के 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हैं। मरने वालों में पिता-पुत्र और जीजा-साले शामिल हैं। ये सभी महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे थे।

महिला को नोटों का बंडल दिखाकर ठगा

जेवर के बदले थमाए 500-500 रुपए के नकली नोट, रास्ता पूछने के बहाने झांसे में लिया

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई में एक महिला मजदूर के साथ अनोखी ठगी का मामला सामने आया है। दो युवकों ने महिला को 500-500 रुपए के नोट की गड्डी दिखाकर बदले में उसके सोने के कान और गले के आभूषण ले लिए। जब महिला नोट गिनने लगी, तो ऊपर असली नोट थे, लेकिन बाकी नकली नोट थे। घटना स्मृति नगर चौकी इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, आर्य समाज मंदिर के पास सुपेला निवासी धनेश्वरी साहू (50) ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि, वो क्रॉस रोड रेस्टोरेंट में काम करती है। 15 फरवरी 2025 को वो शाम 5.30 बजे अपने घर चर्च रोड अयप्पा नगर भिलाई आ रही थी। बीच रास्ते से दो युवकों ने उसका पीछा किया।

इस तरह की ठगी की वारदात: बताया जा रहा है कि, दो युवकों ने धनेश्वरी को रास्ते में रोका और कहा कि, उन्हें बिलासपुर जाना है। कहां से जाएंगे। धनेश्वरी ने उन्हें कहा कि वो गलत सड़क पर आ गए हैं। उसने उन्हें सही रास्ता बताया। इसी दौरान एक युवक ने धनेश्वर को अपने पास रखी खाकी रंग की पोटली दिखाई। उस पर 500 रुपए के नोटों के बंडल थे। उसने धनेश्वरी को कहा कि, पोटली में 500 रुपए की कई गड्डियां हैं।

उसने बताया कि, वो पैसे लेकर ऐसे नहीं जा सकता है। उन्होंने धनेश्वरी से कहा कि, यदि वो अपने कान के टॉप्स और गले का मंगलसूत्र उन्हें देगी, तो वो नोट वाली पोटली उसे देकर चले जाएंगे। धनेश्वरी उनके बहकावे में आ गई और तुरंत उन्हें सोने के टॉप्स और मंगलसूत्र उतारकर दे दिया। इसके बाद उन्होंने उसे वो नकली नोटों की पोटली थमा दी। धनेश्वरी वो पोटली लेकर घर आ गई। जब घर में पोटली खोला तो देखा कि पोटली के अंदर सबसे ऊपर वाली गड्डी में 500 रुपए का नोट लगा था। उसके नीचे कागज के नोट लगे थे। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। उसने स्मृति नगर चौकी में मामले की शिकायत की है। पुलिस ने सोमवार 17 फरवरी को मामले में ठगी का केस दर्ज कर लिया है।

3 बांग्लादेशी भाइयों के फेक डॉक्यूमेंट बनाने वाला अरेस्ट

रायपुर में चला रहा था रैकेट, अवैध तरीके से विदेश भेजने में करता था मदद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में 3 बांग्लादेशी भाइयों के फर्जी दस्तावेज बनाने वाले कम्प्यूटर सेंटर संचालक मोहम्मद आरिफ को टिकरापारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। एक और फरार आरोपी शेख अली की तलाश की जा रही है। जांच में पता चला कि, मोहम्मद आरिफ ने कई लोगों के फर्जी वोटर आईडी कार्ड, अंकसूची और फोटो पहचान पत्र बनाए थे। जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद आरिफ और शेख अली संगठित रैकेट बनाकर फर्जी दस्तावेज बनाते थे। गलत तरीके से लोगों को देश के बाहर भेजने का काम करते थे। पुलिस ने बताया कि, जांच के दौरान कम्प्यूटर में संदिग्ध कंटेंट भी मिले हैं। जिसकी जांच की जा रही है।

बांग्लादेशी भाइयों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया: दरअसल, एक सप्ताह पहले रायपुर पुलिस और एटीएस ने 3 बांग्लादेशी भाइयों को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार था। वो तीनों यहां से इराक के बगदाद भाग रहे थे, लेकिन पकड़े गए थे। इन्होंने रायपुर से ही सभी फर्जी दस्तावेज बनवाए थे। बांग्लादेश के रहने वाले गिरफ्तार आरोपियों मोहम्मद इस्माइल (27 साल), शेख अकबर (23 साल) और शेख साजन (22 साल) को पुलिस ने को गिरफ्तार कर पुलिस ने 3 दिन की न्यायिक रिमांड ली थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

फर्जी पेन कार्ड, वोटर ढूष्ठ कार्ड बनवाए: रायपुर में रहने के दौरान तीनों बांग्लादेशियों ने भारतीय दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड और वोटर आईडी बनवाया। यूसीसी लागू होने से पकड़े जाने का डर था। इसलिए जन्मतिथि के लिए फर्जी प्रमाण पत्र बनवाए। इसके बाद तीनों ने फर्जी मार्कशीट बनवाए। फर्जी मार्कशीट बनाने में चॉइस सेंटर संचालक नो आरिफ ने मदद की है। आरिफ पर आरोप है कि इससे पहले भी कई लोगों के लिए फर्जी दस्तावेज बनवाने, लोगों को इराक भेजने में मदद की है, जो वापस लौटकर भारत नहीं आए हैं।

शराब तस्करी केस में भिलाई का गुड्डू बिहारी गिरफ्तार

पुलिस ने 34 लाख की अवैध शराब की जब्त, 4 महीने से फरार था आरोपी

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की बलौदाबाजार पुलिस ने भिलाई के गुड्डू राय को 34 लाख से अधिक कीमत की अवैध शराब की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया है। वह पिछले 4 महीने से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गुड्डू राय का पूरा नाम विजय प्रकाश राय उर्फ गुड्डू बिहारी है। वो दुर्ग जिले के भिलाई में शांति नगर सड़क नंबर 5बी मकान नंबर 526 में रहता है। बलौदाबाजार जिले के थाना हथबंद पुलिस को उसकी पिछले 4 महीने से तलाश थी। पुलिस ने उसे रविवार को गिरफ्तार को जेल भेजा है।

हथबंद पुलिस के मुताबिक 13 अक्टूबर 2024 को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के केसदा गांव स्थित एक फार्म हाउस में बड़ी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी गई है। पुलिस ने बलौदाबाजार एसपी के निर्देश पर वहां छापेमार कार्रवाई की थी।

कार्रवाई के दौरान पुलिस को फार्म हाउस 504 पेटी अंग्रेजी गोवा और 28 पेटी देसी मसाला शराब मिली थी। पकड़ी गई शराब की कुल कीमत 34 लाख 30 हजार रुपए थी। इसमें कुल शराब 4788 बल्क लीटर थी। पुलिस ने जब्ती के दौरान पाया कि शराब मध्य प्रदेश राज्य की निर्मित थी। बोतल में फॉर सेल इन मध्य प्रदेश ओनली लिखा हुआ था।

धर्मांतरण पर बवाल, 3 आरोपी गिरफ्तार

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद 97 हिरासत में, प्रार्थना सभा का किया था घेराव

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में धर्मांतरण के मुद्दे पर हिंदू संगठनों ने जमकर बवाल किया। उन्होंने एक विशेष समुदाय के लोगों पर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए उनके घर को घेर लिया। हिंदू संगठनों के हंगामे के बाद अमलेश्वर पुलिस ने घर से 97 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने पूछताछ के बाद धर्मांतरण कराने वाले 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा है।

अमलेश्वर पुलिस के मुताबिक मीनाक्षी शर्मा (46 साल) निवासी अयोध्या नगर अमलेश्वर ने धर्मांतरण कराने को लेकर अमलेश्वर निवासी डॉ. विनय साहू, कृष्णकांत कुर्रे और ढाल सिंह साहू पर आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में बताया कि डॉ. विनय साहू 16 फरवरी रविवार दोपहर 1 बजे के करीब अपने घर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया था।

इस सभा में वह ईसाई धर्म से जुड़े दो अन्य लोगों को लेकर पहुंचा था। वे लोग प्रार्थना सभा में हिंदू देवी देवाओं को छोटा बताकर अपने प्रभु ईशु का बखान कर रहे थे और लालच देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए लोगों पर दबाव बना रहे थे। ये सभी लोग प्रार्थना सभा में मौजूद रीतू वर्मा, दीपाली राजपूत सहित अन्य लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहे थे।

मीनाक्षी की शिकायत पर पुलिस ने 97 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जब लोगों ने सच्चाई बताई तो उसके बाद प्रार्थना सभा आयोजित करने वाले अमलेश्वर निवासी डॉ. विनय साहू और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने वाले कृष्णकांत कुर्रे और ढाल सिंह साहू के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया।

प्रार्थना सभा स्थल को हिंदू संगठनों ने घेरा: जैसे ही मामले की जानकारी हिंदू संगठनों को हुई उन लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उस घर को घेर लिया है और जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस जब वहां पहुंची तो लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि घर के अंदर ज्यादा से अधिक लोग हैं। उस घर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है और गलत तरीके से भोले भाले गरीब लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा है।

नगरीय निकायों में सकारात्मक मतदान से भाजपा के ऐतिहासिक जीत : उप मुख्यमंत्री

गाँवों में भी भाजपा के पक्ष में सकारात्मक वातावरण, हमारे कार्यकर्ता पंचायत चुनावों में भी बड़ी संख्या में जीतकर आएंगे : साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेशभर के नगरीय निकायों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत को भाजपा की सकारात्मक जीत बताते हुए कहा है कि निकाय चुनावों में हम अपने कार्यों को लेकर जनता के बीच पहुँचे थे और जनता-जनार्दन के साथ-साथ हमें भी अपने कार्यों पर पूरा भरोसा है और यही विश्वास भाजपा के पक्ष में सकारात्मक मतदान का आधार बना। श्री साव ने कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचण्ड जीत को "ईवीएम की जीत" बताना कांग्रेस द्वारा जनता और उनके जनादेश का अपमान है। श्री साव ने कांग्रेस पर करारा कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली में कांग्रेस शून्य पर रही है, छत्तीसगढ़ के नगर निगमों में भी शून्य पर रही। कांग्रेस लगातार शून्य की ओर बढ़ रही है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने सोमवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने प्रदेश के सभी 10 नगर निगमों में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त और अंतर के साथ जिताया है, 49 में से 35 नगरपालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में से 81 नगर पंचायतों में भाजपा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। पिछले 13-14 महीनों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को तेजी से पूरा करने का काम किया। नगरीय निकाय क्षेत्रों में तेजी से लगातार विकास के काम किए। 7,500 करोड़ रुपए की राशि नगर निकायों को जारी की। जनसमस्या निवारण पखवाड़े का आयोजन किया। स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया और अनुकम्पा नियुक्ति के काफी समय से लम्बित प्रकरणों का निपटारा किया। हमारे कामों पर जनता ने अपने विश्वास की मुहर लगाई है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मोदी गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के 25 लाख किसानों का प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा और समर्थन मूल्य के साथ-साथ अंतर की राशि के एकमुश्त भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की। 12 लाख किसानों को दो साल के बकाया बोनस का एकमुश्त भुगतान कृषक उन्नति योजना के तहत किया। प्रदेश की 70 लाख महिलाओं के खातों में महतारी वन्दन योजना के तहत हर माह 1,000 हजार रुपए सीधे जमा हो रहे हैं। 13 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 4000 रु. से बढ़ी हुई दर की 5500 रुपए राशि व बोनस का भुगतान किया। इसी प्रकार 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रु. सालाना दे रहे हैं। ऐसे अनेक कामों के कारण आज प्रदेश की जनता में भाजपा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 46 प्रतिशत से अधिक वोट मिला, लोकसभा चुनाव में 52 प्रतिशत से अधिक वोट मिला, और अब नगरीय निकाय के चुनावों में भाजपा को 55.41 प्रतिशत वोट मिला है। लगातार भाजपा का जनाधार बढ़ता ही चला जा रहा है। निकाय चुनावों के लिए भाजपा ने "अटल विश्वास पत्र" जारी कर विकास का विजन और रोडमैप प्रस्तुत किया। उसके आधार पर इतनी बड़ी सफलता भाजपा को मिली है। साव ने तीन चरणों में होने जा रहे त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों के सोमवार से शुरू मतदान की चर्चा करते हुए कहा कि कहा कि सोमवार को पहले चरण में 27,210 पंच, 3,605 सरपंच, 911 जनपद सदस्य और 149 जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतदान हुआ है। श्री साव ने कहा कि अभी गाँवों में लोकतंत्र का उत्सवी वातावरण देखते ही बन रहा है! प्रत्यासी और उनके समर्थक रैली की शक्ल में घूम-घूमकर सतत जनसम्पर्क कर रहे हैं। गाँवों में भी भाजपा समर्थित पंच, सरपंच, जनपद व जिला पंचायत सदस्यों के रूप में भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जीतकर आ रहे हैं। प्रदेश में जो विष्णु का सुशासन है, वह पूरे प्रदेश में दिखाई पड़ रहा है और निश्चित रूप से पंचायतों का परिणाम भी भाजपा के अनुकूल रहेगा।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास को लेकर कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पाँच साल तक गाँवों की जनता ने यंत्रणा भोगी थी, विकास अवरुद्ध हुआ था। भाजपा की सरकार बनने के बाद आज 8 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किश्त मिल गई है, 2 लाख हितग्राहियों के मकान बनकर पूरे हो गए हैं और उनका गृह-प्रवेश भी हमने कराया है। गाँवों के अवरुद्ध विकास को तेज गति मिली है. गाँवों में महतारी सदन बना रहे हैं। इसलिए आज गाँवों में भी भाजपा के पक्ष में सकारात्मक वातावरण है और भाजपा कार्यकर्ता पंचायत चुनावों में भी बड़ी संख्या में जीतकर आएंगे और गाँवों के विकास आगे बढ़ाएंगे।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा, अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम, सुरेंद्र पाटनी व पैनलिस्ट डॉ. किरण बघेल की मौजूदगी रही।

राहुल के करीबी पित्रोदा बोले- चीन भारत का दुश्मन नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक बयान के चलते मई, 2024 में सैम पित्रोदा को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त कर दिया गया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने कहा- भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। हालांकि कांग्रेस ने सैम पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं। इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा- चीन को दुश्मन मानने के बजाय उसे सम्मान देना चाहिए। मुझे समझ ही नहीं आता कि भारत को चीन से क्या खतरा है। हम सभी को साथ आकर काम करना चाहिए। भारत को चीन के प्रति अपने नजरिए को बदलने की जरूरत की है। पित्रोदा ने कहा, अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है। हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है, हमें कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। चीन चारों ओर है, चीन बढ़ रहा है, हमें इसे पहचानना और समझना होगा।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य देश की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वन्य जीव पर्यटन का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुरैना क्षेत्र में पर्यटन को विकसित करने के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने भविष्य में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम मध्यप्रदेश के वनों में सभी प्रकार के वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सक्षम हैं और इस दिशा में हमारे प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना स्थित देवरी घड़ियाल केंद्र से चंबल नदी में 10 घड़ियालों (9 मादा और 1 नर) को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के पश्चात मीडिया से चर्चा में यह महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर उनके साथ बोट पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चम्बल अभ्यारण्य हमारे देश की प्राकृतिक संपदा है। यहां दुर्लभ प्रकार की प्रजातियों का संरक्षण किया जा रहा है। बदलते हुये जलवायु के दुष्परिणामों के कारण इन प्रजातियों को नुकसान पहुंच रहा है। मध्यप्रदेश हमेशा से जैव विविधता के लिये महत्वपूर्ण प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिये तत्पर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिले में स्थित राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य का भ्रमण किया तथा अभयारण्य की व्यवस्थाओं एवं यहां पर्यटकों के लिए उपलबध सुविधाओं का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घड़ियालों को नजदीक से देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चंबल सफारी का भ्रमण किया गया एवं घड़ियाल संरक्षण के बारे में वन विभाग से जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में वन पर्यटन की अनंत संभावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि चंबल क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा मिले, इसके लिए सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रही है। चंबल अभयारण्य में सिर्फ घड़ियाल ही नहीं, डॉल्फिन के भी पुनर्वास की प्रबल संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल कानून पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी। दरअसल इस केस की सुनवाई 2 जजों की बेंच में होनी थी। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि आज सिर्फ 2 जजों की बेंच बैठी है। यह मामला किसी और दिन देखेंगे। सीबीआई ने इस मामले पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करेंगे। इनकी भी एक सीमा होती है। असदुद्दीन ओवैसी की याचिका जुड़ी आज सुप्रीम कोर्ट को चीफ असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है। ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की 6 धाराओं की वैधता पर दाखिल याचिकाओं पर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को सुनवाई की थी।

दिल्ली में यमुना की सफाई शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना की सफाई का काम सोमवार को शुरू हो गया। भाजपा ने हालिया चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाया था नदी की सफाई के लिए तीन साल का समय तय किया गया है। एलजी वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव के साथ बैठक के बाद सफाई के निर्देश दिए थे। एलजी ऑफिस के मुताबिक यमुना की सफाई चार चरणों में होगी। पहले चरण में नदी से कचरा और गाद हटाई जाएगी। साथ ही नजफगढ़ ड्रेन, सप्लीमेंट्री ड्रेन और अन्य बड़े नालों की सफाई भी होगी। इसके अलावा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की निगरानी रखी जाएगी। 400 (मिलियन गैलन पर डे) सीवेज ट्रीटमेंट की कमी पूरी करने के लिए नए ट्रीटमेंट प्लांट्स बनाए जाएंगे। लक्ष्य पूरा करने के लिए जल बोर्ड, नगर निगम, पर्यावरण

विभाग और दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी मिलकर काम करेंगे। इंडस्ट्रियल यूनिट्स को गंदा पानी न छोड़ने के लिए सख्त निर्देश दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को सख्त निर्देश दिया गया है कि शहर की इंडस्ट्रियल यूनिट्स गंदा पानी नालों में न छोड़ें। सफाई अभियान की निगरानी हो। मामले में भाजपा नेता हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि सफाई तय समय में पूरी होगी। हमारा लक्ष्य यमुना को साफ करना और कूड़े के पहाड़ों को खत्म करना है। 2023 में यमुना सफाई का काम शुरू हुआ था इससे पहले यमुना की सफाई का काम जनवरी, 2023 में शुरू हुआ था। इसके लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने ख़ के नेतृत्व में कमेटी बनाई थी। लेकिन आप सरकार ने एनजीटी के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट चली गई। इसके बाद सफाई रोक दी गई। आप सरकार का कहना था कि एलजी को अपने क्षेत्र से बाहर अधिकार नहीं दिया जा सकता। एनजीटी का यह आदेश दिल्ली में शासन की संवैधानिक योजना के अलावा सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश का भी उल्लंघन करता है। दिल्ली सरकार ने अपील की थी कि एनजीटी के इस फैसले पर रोक लगाई जाए।

दिल्ली के नए सीएम की शपथ 20 फरवरी को

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। हालांकि, भाजपा ने अब तक सीएम फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी। इससे पहले 16 फरवरी शाम को खबर आई कि 17 फरवरी, यानी आज विधायक दल की बैठक होगी और 18 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह होगा। हालांकि, कुछ देर बाद इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया। इसकी वजह नहीं बताई गई। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और एनडीए शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है। आज शाम तावड़े और चुघ दिल्ली भाजपा नेताओं के साथ व्यवस्थाओं को लेकर बैठक करेंगे।

पंजाब में एसजीपीसी अध्यक्ष ने अचानक इस्तीफा दिया

अमृतसर (एजेंसी)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धामी ने इसके पीछे का कारण श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह की पोस्ट को बताया है। रघबीर सिंह ने हरप्रीत सिंह को श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार पद से हटाने के बाद 13 फरवरी को पोस्ट शेयर की

थी। वहीं, पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने इस इस्तीफे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। रिजाइन से पहले प्रधान धामी ने उस पोस्ट की लाइनों को भी पढ़ा। उन्होंने कहा कि पोस्ट से जाहिर होता है कि ज्ञानी रघबीर सिंह उन्हें (हरप्रीत सिंह को) पद से हटाने का कारण बता रहे हैं।करीब एक हफ्ते पहले एसजीपीसी की तरफ से ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाया गया था। धामी ने कहा कि जिस दिन ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाने का फैसला लिया गया उस दिन 14 एग्जीक्यूटिव सदस्य साथ थे और डेढ़ घंटा बातचीत हुई।

महाकुंभ- मेला क्षेत्र में फिर आग लगी

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ मेला परिसर में सोमवार दोपहर एक बार फिर आग लग गई है। सेक्टर-8 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने काबू पा लिया है। श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविर में आग लगी थी। दोनों शिविर में दो-दो तंबू जले हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रशांत सिंह राणा ने कहा- लगभग 3 बजे हमें टेंट में आग लगने की सूचना मिली। जिसके तुरंत बाद हमारी गाड़ियां यहां पहुंची और हमने आग पर काबू पा लिया है। खाली टेंट था, कोई जनहानि नहीं हुई है। आगे की जांच चल रही है। महाकुंभ में आज फिर जबरदस्त भीड़ है। शाम 4 बजे तक 1.23 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। प्रयागराज के सभी 7 एंट्री पॉइंट जाम हो गए हैं। भीड़ के चलते दारागंज स्थित संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। महाकुंभ में तैनात अफसरों की ड्यूटी 27 फरवरी तक बढ़ा दी गई है।

नई दिल्ली भगदड़ मामला- स्टेशन पर सीआरपीएफ की तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और दिल्ली पुलिस की तैनाती की गई है। महाकुंभ के बीच बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है। इसके अलावा रेलवे ने 26 फरवरी तक शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक काउंटर से प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद कर दी है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे ने भविष्य में पीक सीजन में भगदड़ जैसी घटनाओं से बचने के लिए देश के 60 बड़े स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने की योजना बनाई है। महाकुंभ के बाद 2027 में नासिक और हरिद्वार में भी अर्धकुंभ लगेंगे। इसके अलावा 2028 में मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी सिंहस्थ मेले का आयोजन होना है। 15 फरवरी को भगदड़ में 18 लोगों की मौत नई दिल्ली स्टेशन पर 15 फरवरी को रात 9:26 बजे भगदड़ मचने से 11 महिलाओं और 5 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई थी। 25 लोग घायल हुए थे। इसके अलावा महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 28 जनवरी देर रात को हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई थी।

सीधी में खाई में गिरी बोलेरो, 4 की मौत

सीधी (एजेंसी)। सीधी में महाकुंभ जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। 4 लोग घायल हुए हैं। सभी को संजय गांधी अस्पताल रीवा भेजा गया है। खाई 30 फीट से ज्यादा गहरी है, लेकिन पत्थर और पेड़ों की वजह से गाड़ी 12 फीट से ज्यादा नीचे नहीं जा पाई। हादसा रविवार-सोमवार की देर रात करीब 2 बजे मूड़ा पहाड़ पर हुआ। सभी लोग सिंगरौली के जयंत से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे। जैतपुर गांव से

दो गाड़ियों में 13 लोग प्रयागराज के लिए निकले थे। इनमें एक गाड़ी में आठ और दूसरी में पांच लोग सवार थे। स्थानीय ग्रामीणों को सुबह करीब 5 बजे हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

अमेरिका से डिपोर्ट 112 भारतीयों का तीसरा बैच अमृतसर पहुंचा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों का तीसर बैच 16 फरवरी को रात 10 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। अमेरिकी एयरफोर्स के सी-17 ए ग्लोबमास्टर विमान में 112 लोगों आए हैं। इनमें हरियाणा के 44 और पंजाब के 33 लोग शामिल हैं। करीब 6 घंटे की पूछताछ के बाद ये लोग एयरपोर्ट से बाहर आए। हरियाणा के लोगों के लिए पुलिस के

अधिकारी वॉल्वो बस लेकर पहुंचे।

एयरपोर्ट पर अमृतसर की डीसी साक्षी साहनी भी पहुंचीं। उन्होंने कहा कि सभी लोग शारीरिक रूप से तंदुरुस्त हैं। डिपोर्ट किए गए लोगों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों को डाइपर के साथ दूध उपलब्ध करवाया। बताया जा रहा है कि देश के 18 हजार लोगों को भारत भेजा जाएगा, जिनमें करीब 5 हजार लोग हरियाणा हैं। अब तक कुल 332 भारतीय डिपोर्ट हो चुके हैं। वहीं, शनिवार रात साढ़े 11 बजे अमेरिकी विमान 116 भारतीयों का दूसरा बैच लेकर अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा था। महिलाओं-बच्चों को छोड़कर सभी पुरुषों को हाथों में हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां डालकर विमान में बैठाया गया था।

दिल्ली के बाद बिहार में भी भूकंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। दोनों जगह रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था और इसकी गहराई पांच किलोमीटर बताई गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। भूकंप के तेज झटकों से दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर ट्वीट किया। उन्होंने लोगों से शांत रहने की अपील की। साथ ही कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

हर 2-3 साल में आते हैं छोटे झटके एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि इसका केंद्र धौलाकुंआ स्थित दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। अधिकारियों के अनुसार, इस क्षेत्र में हर दो से तीन साल में हल्के झटके महसूस किए जाते हैं। इससे पहले 2015 में यहां 3.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

प्रधानमंत्री सुरक्षा चूक मामले में स्पीकर से मिले किसान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। तीन साल पहले 5 जनवरी 2022 को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा में चूक हुई थी। मामले में किसानों पर आरोप लगे थे। जिसके बाद मामले में किसानों पर धारा 307 लगा दी गई। किसानों ने अब पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां से मुलाकात कर इस मामले को उठाया है। किसानों का कहना है कि स्पीकर ने आश्वासन दिया है कि किसानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उधर, खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन 84वें दिन में प्रवेश कर गया है। किसानों ने 22 फरवरी को केंद्र सरकार के साथ होने वाली छठे दौर की बैठक से पहले 21 फरवरी को किसान आंदोलन में शहीद हुए युवा किसान शुभकरण सिंह की बरसी मनाने का फैसला किया है। इस दौरान शुभकरण के गांव बल्लोह बठिंडा में सभा होगी। इसके अलावा शंभू-खनौरी और रतनपुर बॉर्डर पर भी उस दिन सभाएं होंगी। इसमें सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। वहीं, बठिंडा में होने वाले कार्यक्रम को लेकर किसानों ने बैठक कर रणनीति बनाई है। 19 फरवरी को हरियाणा के सिरसा से पदयात्रा यात्रा शुरू की जाएगी, जिसका समापन 21 फरवरी को बठिंडा में होगा। दरअसल फिरोजपुर कोर्ट ने जनवरी माह में फिरोजपुर के 25 किसानों का पीएम की सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

सोनीपत कोर्ट में पेश नहीं हुए केजरीवाल

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी में जहर मिलाने वाले बयान को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार (17 फरवरी) को हरियाणा की सोनीपत कोर्ट में पेश नहीं हुए। उनकी जगह उनके वकील कोर्ट में पहुंचे। एडवोकेट भुवेश मलिक ने बताया कि हरियाणा सरकार ने केजरीवाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 के तहत क्रिमिनल कंप्लेंट फाइल की थी। चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा गोयल की कोर्ट ने केजरीवाल को आज के लिए नोटिस जारी किए थे। केजरीवाल की जगह कोर्ट में उनके वकील पेश हुए। हमने कोर्ट से कहा कि नोटिस के साथ उन्हें सबूत नहीं मिले। इस पर उन्हें सबूत और पेनड्राइव प्रोवाइड कराए गए। इसके बाद कोर्ट

ने सुनवाई के लिए 20 मार्च को अगली तारीख तय की। सोनीपत में सिंचाई विभाग के एक्सईएन अभियंता आशीष कौशिक ने कोर्ट में याचिका लगाकर कहा था कि 28 जनवरी को यमुना नदी से सटे हुए आसपास के गांव के लोग सिंचाई विभाग के कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने कहा कि यमुना नदी में जहर क्यों डाला? इससे जानवरों और लोगों की मौत हो जाएगी।

लोगों से जब कारण पूछा गया तो उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही एक वीडियो क्लिप दिखाई। वीडियो में अरविंद केजरीवाल बयान दे रहे थे कि हरियाणा सरकार ने यमुना नदी में जहर मिलाया है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के अलर्ट के कारण पानी में जहर की जानकारी मिली है। जिसके चलते दिल्ली के लोगों की जान बच गई है। अधिकारी ने आगे बताया कि लोगों की बात सुनने के बाद उन्होंने सबको शांत किया। उनसे कहा गया कि वायरल वीडियो में जो कहा जा रहा है।

भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे सचिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस माह 22 फरवरी से शुरु होने जा रही अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर करेंगे जबकि श्रीलंकाई टीम की कप्तानी दिग्गज कुमार संगकारा को मिली है। पूर्व क्रिकेटरों की इस लीग से प्रशंसकों को एक बार फिर अपने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय टीम में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के अलावा सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

इस लीग के उद्घाटन संस्करण को लेकर इरफान पठान ने कहा कि मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग की याद दिलाता है। साथ ही कि कि मैं इस सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं पर मैं क्रिकेट प्रशंसकों को ये भरोसा देता हूं कि हम मैदान पर अपनी ओर से कोई कमी नहीं रहेंगे। हम खिताबी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। वहीं कुमार संगकारा की श्रीलंकाई मास्टर्स टीम में टीम में भी कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत पर हावी रही है पाकिस्तान टीम

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सभी को भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होने वाले अहम मुकाबले का इंतजार है। दोनों ही टीमों को इसमें जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अभी दोनो ही टीमें अच्छे फॉर्म में हैं। ऐसे में इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम हमेशा ही आईसीसी टूर्नामेंटों में हावी रही है और वह केवल एक बार ही हारी है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम को अधिक सफलता मिली है। उसने भारतीय टीम को 3 बार हराया है. ऐसे में टीम इंडिया को उसके खिलाफ मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी में अब तक 5 मुकाबले हुए हैं। इनमें से भारतीय टीम दो ही जीत पायी है। वहीं पाकिस्तान ने ने तीन मैच जीते हैं। इसके अलावा उसने पिछली बार फखर जमां के शतक से 2017 में खेले गये इस टूर्नामेंट में खिताब भी जीता था। दोनों ही टीमों में उस समय के आधे खिलाड़ी अब भी हैं। ऐसे में भारतीय टीम इस बार उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार 1998 में आयोजित हुई पर भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 2004 में हुआ।

इंग्लैंड में खेली गई चौथी चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें पहली बार टकरायीं। तब पाकिस्तान ने यह मुकाबला 3 विकेट से जीता। इसके बाद 2009 में भी पाक ने भारतीय टीम को 54 रन से हराया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को पाकिस्तान पर पहली जीत साल 2013 में मिली। तब भारतीय टीम ने बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता। उस मैं खेले रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अब भी भारतीय टीम में शामिल हैं। साल 2017 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाक के बीच दो बार मुकाबला हुआ। तब भारतीय टीम ने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 124 रन से हराया पर फाइनल में पाक टीम को जीत मिली। पाकिस्तान ने फाइनल में भारतीय टीम को 180 रनों से हराया था।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड फाइनल मैच में चील का शिकार होते-होते बची बिल्ली

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के फाइनल में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस इस में पाक टीम टीम न्यूजीलैंड के सामने टिक नहीं पायी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक टीम पहले बल्लेबाजा करते हुए 242 रन ही बना पायी। इसके बाद कीवी टीम ने ये लक्ष्य पांच विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम की बल्लेबाजी के दौरान ही अचानक एक एक काली बिल्ली मैदान में आ गयी। इस कारण मैच कुछ देर के लिए रुक गया। बिल्ली मैदान से बाहर जा ही रही थी कि लोगों को एक चील आसमान में दिखी। उस चील ने बिल्ली पर झपट्टा मारने का प्रयास किया। दर्शकों भी दिल थामकर ये देख रहे थे। चील बिल्ली को पकड़ने के काफी करीब पहुंच गयी थी पर बिल्ली किसी प्रकार उसका शिकार होने से बच गयी।

बहरहाल चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले त्रिकोणीय सीरीज में मिली हार से पाक टीम को करारा झटका लगा है। खिताबी मुकाबले में पाक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के विलियम ओरूर्के के सामने टिक नहीं पाये। विलियम ने 43 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाए। इस मैच में पाक गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे। शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ और मोहम्मद हसनैन की गेंदबजी में विविधता और लाइन लैंथ की कमी दिखी।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल गजनफर की जगह मुजीब उर रहमान को अनुबंधित किया

मुंबई (एजेंसी)। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान को अनुबंधित करने की घोषणा की। मुजीब अपने ही देश के स्पिनर अल्लाह गजनफर की जगह लेंगे जो चोट के कारण आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान के 18 वर्षीय स्पिनर को एल 4 वर्टिब्रा में फ्रेक्चर हुआ है और वह चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान के हाल के जिंबाब्वे दौरे के दौरान गजनफर को चोट लगी थी। मुंबई इंडियन्स ने एक बयान में कहा, ''मुंबई इंडियंस गजनफर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और मुजीब का हमारे परिवार में स्वागत करता है।''मुजीब अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक थे और उन्होंने तुरंत प्रभाव डाला जिससे उन्हें 17 साल की उम्र में आईपीएल में पदार्पण का मौका मिला। मुजीब ने 300 से अधिक टी20 (अंतरराष्ट्रीय और घरेलू) मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने लगभग 6.5 की इकोनॉमी रेट से 330 विकेट लिए हैं। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल की बड़ी नीलामी में उभरते हुए 18 वर्षीय ऑफ स्पिनर गजनफर को 4.80 करोड़ रुपये में अनुबंधित किया था।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज राऊफ चोट से उबरे, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहेंगे -सूत्र

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पीटीआई को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

सूत्र ने कहा, ''हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है।'' सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है।

हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है। टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में हार का बदला चुकता करने का मौका मिलेगा जिसमें वे गत विजेता भी हैं।

आईपीएल 2025 में इस बार दिखेंगे बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा।

आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का रूल जारी रहेगा।

रणजी टीम से भी बाहर हुए यशस्वी

मुम्बई (एजेंसी)। युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यशस्वी रणजी ट्रॉफी में खेलने जा रहे थे पर अब वह भी संभवन नहीं है। यशस्वी चोटिल होने के कारण रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से भी बाहर हो गए हैं। रणजी सेमीफाइनल नागपुर के जामठा में सोमवार से मुंबई और विदर्भ के बीच शुरू होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी के बाएं टखने में दर्द है और उनको जांच के लिए बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ले जाया जाएगा। आज रविवार को नागपुर में मुंबई के अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर नेट्स में बल्लेबाजी करते समय उन्हें दर्द उभरने लगा। कहा जा रहा है कि उनकी पुरानी चोट फिर से उभर आई है। अब उनकी रिकवरी प्रक्रिया बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी।

यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और दोनों को ही नॉन ट्रैवलिंग सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया है। इससे साफ है कि जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो विकल्प के तौर पर इन्हें शामिल किया जाएगा। यशस्वी ने इस सत्र कमात्र रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेला था।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। विराट इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष खिलाड़ी बन सकते हैं। भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दौरान सभी की नजरें विराट कोहली पर रहेंगी। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में सभी को उनसे अधिक से अधिक रन बनाने की उम्मीदें रहेंगी। विराट अपनी चौथी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हैं। विराट ने अब तक 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं और इस प्रकार वह भारतीय टीम के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के सफल बल्लेबाज बनने के लिए केव 173 रन चाहिये। अभी शिखर धवन के नाम चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन हैं, जिन्होंने 2013 और 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 701 रन बनाए थे। धवन दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारत ने 2013 में ट्रॉफी जीती थी जबकि 2017 में टीम फाइनल तक पहुंची थी। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 665 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2000 और 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी खेले थे।

विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में 12 पारियों में 529 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका औसत 88.16 का है और उन्होंने 53 चौके लगाए हैं। भारत को इस टूर्नामेंट में कम से कम तीन मैच खेलने हैं, और कोहली के पास रन बनाकर इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का सुनहरा अवसर होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में केवल एक अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ उतर रही भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा भी पिछले कुछ समय से लगातार असफल रहे है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस ट्रॉफी का जीतकर प्रशंसकों को खुश करना रहेगा। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। इसका कारया मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नहीं होना है। बुमराह ने पिछले कुछ समय में हर सीरीज में अबसे अधिक विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास मोहम्मद शमी के अलावा कोई भी अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं है। टीम के पास अन्य तेज गेंदबाजों में युवा हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह है। वहीं टीम पांच स्पिनरों के साथ जा रही है। टीम के साथ रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर रहेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिलती रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 एकदिवसीय खेले गये हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकोनॉमी दर से 466 विकेट मिले हैं। वहीं स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। वहीं भारतीय टीम 5 स्पिनर लेकर जा रही है और उसे ये रणनीति भारी पड़ सकती है। उसके पास स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं जबकि विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव हैं।

पांच स्पिनरों को लेकर जाने पर भी सवाल उठ रहे है क्योंकि दुबई की पिचों पर स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है। टीम में शामिल रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं और अब देखना है कि वह क्या करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से किसी ने भी वरुण का पहले सामना नहीं किया है। जडेजा और अक्षर का खेलना लगभग तय है और वरुण के खेलने पर कुलदीप यादव को बाहर रहना पड़ सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, दुबई में पिच से गेंदबाजों को शारजाह की तुलना में अधिक मदद मिलती है। तेज गेंदबाजों को यहां सफलता मिलती रही है जिसकी वजह से पाकिस्तान ने टीम में अधिक तेज गेंदबाज चुने हैं हालांकि उन्हें यहां ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बुमराह के बाहर होने पर सिराज की जगह राणा को चुनने पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि ऐसे टूर्नामेंटों में अनुभव खिलाड़ी की जरुरत रहती है।

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या है मोहम्मद शमी और अर्शदीप या राणा के साथ तीसरे तेज गेंदबाज होंगे पर उनके साथ कई बार फिटनेस की समस्या आज जाती है।वहीं कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि पुरानी गेंद से अधिक प्रभावी नहीं होने के कारण ही सिराज को बाहर रखा गया। राणा ने टी20 में पदार्पण करके छठे गेंदबाज के तौर पर 33 रन देकर तीन विकेट लिए थे। भारतीय टीम की जीत के लिए कप्तान रोहित शर्मा औ अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

करीब 12 हजार वाहन फंसे, 34 दिन में 8वीं बार बने ऐसे हालात

रीवा-प्रयागराज हाईवे पर 20 किमी. लंबा जाम

मीडिया ऑडीटर, सतना/रीवा (निप्र)। रीवा-प्रयागराज हाईवे पर दो जगह करीब 20 किमी लंबे जाम लगा। सोमवार को बेला-चौरहटा के बीच करीब 15 किमी तक 10 हजार वाहन और चौरहटा-रतहरा के बीच 5 किमी में करीब 2 हजार गाड़ियां फंसी। पिछले 34 दिनों में 8वीं बार जाम की स्थिति बनी है। हाईवे पर यह अब तक का सबसे लंबा जाम है। जाम में मैहर एसडीएम की पत्नी की कार डिवाइडर से टकराने से वह घायल हो गईं। उन्हें लेने पहुंची एम्बुलेंस भी जाम में फंस गई। इधर, जाम की वजह से सूरत के कुंभ यात्रियों की बस खराब हो गईं। उन्हें कई किलोमीटर का सफर पैदल ही तय करना पड़ा। लोगों ने प्रशासन से खाने पीने की व्यवस्था कराने की मांग की। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस ने जाम खुलवाने की बजाय कुंभ यात्रियों को और रोक दिया, जिससे अव्यवस्था बढ़ गई।

डिवाइडर से कार टकराई, मैहर एसडीएम की पत्नी घायल: सतना में मैहर एसडीएम विकास सिंह की पत्नी दीपिका सिंह इनोवा कार में रीवा से मैहर जा रही थीं। बताया गया कि उनकी कार के आगे एक ट्रक लगा हुआ था। बेला के समीप ट्रक ड्राइवर ने डिवाइडर शुरू होते ही अचानक वाहन काट दिया। लिहाजा इनोवा सीधे डिवाइडर से टकरा गई। घटना में दीपिका सिंह का पैर फैक्चर हो गया है उनके चेहरे में भी चोट आई है। उन्हें लेने पहुंची एम्बुलेंस जाम में फंस गई थी। किसी तरह एम्बुलेंस को जाम से निकलवा कर रीवा स्थित एक निजी नर्सिंग होम में उन्हें भर्ती कराया गया।

मुंबई से आए आजाद खान ने बताया कि जाम की वजह से वह 4 घंटे से परेशान हैं। लगता है शाम तक घर नहीं जा पाऊंगा। प्रशासन से गुजारिश करता हूं कि कुछ हमारी व्यवस्था का ध्यान दिया जाए। विशेष तौर पर खाने-पीने की व्यवस्था बनाई जाए, क्योंकि जो लोग लंबे जाम में फंसे हैं वे अपने वाहन छोड़कर नीचे भी नहीं उतर सकते।

सूरत से आए सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि जाम की वजह से हमारी बस खराब हो गई। ड्राइवर ने कहा कि क्लच प्लेट पूरी तरह से खराब हो चुका है। जैसे-तैसे बस को धक्के मार कर किनारे किया गया। अब 3 किलोमीटर पैदल चलकर यहां तक पहुंचे हैं। लोकल में बात करके एक बस बुलवाई है। जिसने यह दावा किया है कि सीक्रेट मार्ग से जल्दी प्रयाग पहुंचा देंगे। लेकिन यहां पर लगे 15 किलोमीटर के लंबे जाम को देखकर लग रहा है कि अभी 4 घंटे तक जाम नहीं खुलने वाला।

संभागीय कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा किए लगातार कुंभ यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है। प्रशासन व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। कुंभ यात्रियों के आवागमन की वजह से शनिवार और रविवार को रीवा के चोरहटा बाईपास, जोगनिहाई टोल प्लाजा, चाकघाट और सोहागी पहाड़ में जाम की स्थिति बन गई थी। रविवार रात प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने रीवा और मध्य प्रदेश की सीमा में किसी भी तरह का जाम न होने का दावा किया था। लेकिन सोमवार को एक बार फिर जाम लग गया। बेला से लेकर चोरहटा बाइपास और रतहरा तक भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है।

रीवा के युवक की सतना जिले में मिली अधजली लाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा /सतना (निप्र)। ज़िले के चोरहटा थाना क्षेत्र में रहने वाले 25 वर्षीय युवक की सतना ज़िले के [ङ्खस्र] रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के बेला चौकी अंतर्गत बग़ीचे में नग्न अवस्था में अधजली हुई लाश मिली है। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बारीकी से घटना स्थल की जांच की। माना जा रहा है कि युवक की हत्या कर सबूत छुपाने के लिए उसके चेहरे को जलाने का प्रयास किया गया है। जानकारी के मुताबिक चोरहटा थाना क्षेत्र के ग्राम बैजनाथ निवासी प्यारेलाल केवट, पिता छोटे लाल केवट का शव ग्राम पंचायत बेला बैर पार बस्ती से सटे हुए एक बग़ीचे में आज सुबह देखा गया। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर हत्यारों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। बताया गया है कि मृतक अपने दोस्तों के साथ निकला था।

साइकिल चोरी करते हुये युवक को रंगे हाथ पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक ही स्थान से निरंतर साइकिल की चोरी कर रहे एक युवक को लोगों ने चोरी करते रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक पहले भी साइकिल की चोरी करते सीसी टीवी कैमरे में कैद हो चुका था, जो आज पकड़ा गया है। फिलहाल स्थानीय लोगों ने उसे पुलिस के हवाले किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए आरोपी का नाम गढ़ निवासी सौरभ नामदेव है। दरअसल आरोपी ढेकहा स्थित तान्या लाइब्रेरी के स्टैंड से साइकिलों की निरंतर चोरी कर रहा था, जो पहले भी सीसी टीवी फुटेज में देखा गया था। लाइब्रेरी के संचालक अनुराग शुक्ला ने बताया कि आरोपी आज फिर एक बार साइकिल लेकर भाग रहा था, तभी पीछा करके लोगों ने उसे पकड़ लिया। आरोपी को सिविल लाइन पुलिस के हवाले किया गया है जिससे, अब अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

घर के बाहर महिला के साथ लूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिवपूर्वा गांव में घर के बाहर निकलते ही महिला से लूट का मामला प्रकाश में आया है। यहां रात के अंधेरे में आरोपी घर के बाहर छुपा बैठा रहा, महिला के बाहर निकलते ही उस पर हमला कर दिया और गले से मंगल सूत्र छीनकर फरार हो गया। घटना रात तकरीबन 11 बजे गोविंदगढ़ थाना के शिवपूर्वा चौकी क्षेत्र में हुई है। जिसकी स्थानीय थाने और चौकी में शिकायत दर्ज न होने पर पीड़ित आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा।

राजस्व मंत्री 19 फरवरी को रीवा होकर प्रयागराज जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा 18 फरवरी को भोपाल से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा रवाना होकर 19 फरवरी को प्रात: 8 बजे रीवा पहुंचेंगे। रीवा सर्किट हाउस में अल्प विश्राम के उपरांत श्री वर्मा प्रात: 9 बजे प्रयागराज रवाना होंगे। प्रयागराज से श्री वर्मा शाम 6 बजे वापस रीवा आयेंगे तथा रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल प्रस्थान करेंगे।

विधानसभा निर्वाचन में अधिग्रहीत वाहनों के भुगतान हेतु बैंक खातों की जानकारी प्रस्तुत करें - उप जिला निर्वाचन अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने निजी वाहन मालिकों से अपेक्षा की है कि अधिग्रहीत वाहनों के किराया भुगतान के लिये बैंक खातों की जानकारी प्रस्तुत करें ताकि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान अधिग्रहीत वाहनों के किराया का भुगतान कराया जा सके।

जमीनी विवाद, होटल संचालक की हत्या

आरोपियों ने खेत में लाठी-डंडों से किया हमला, जान बचाकर भागा भतीजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के रामपुर बघेलान में जमीनी विवाद के चलते रविवार रात को शालीमार होटल संचालक की लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद से आरोपी फरार हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुछ संदेहियों को पकड़ा, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

केमार गांव निवासी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार देर शाम उसके वह और उसके चाचा प्रदीप पिता रामकृपाल सिंह (50) खेत में गए थे। इस दौरान गांव के ही जितेंद्र तिवारी, विनोद तिवारी सहित उनके भाई और घर की महिलाओं ने उनपर लाठी, डंडे, हसिया और खुरपी से अचानक हमला कर दिया।

जान बचाकर भागा भतीजा

राघवेंद्र ने बताया कि, उसने अपने चाचा को बचाने के लिए गुहार लगाई, लेकिन आरोपी उसके ऊपर हमला करने दौड़े, इसके बाद वह वहां से जान बचाकर भागा और घटना की सूचना परिजनों को दी। जब तक परिजन मौके पर पहुंचते, तब तक आरोपी मौके से फरार गए। परिजन हमले में गंभीर रूप से घायल प्रदीप सिंह को उपचार के लिए तत्काल रीवा के संजय गांधी अस्पताल लाए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जमीन को लेकर पहले भी हुआ था विवाद: भतीजे राघवेंद्र ने बताया कि उसके और गांव के ही तिवारी परिवार का जमीनी विवाद लंबे समय से चल रहा था। इसे लेकर पहले भी कई बार विवाद की स्थिति बनी थी। जिसके बाद घात लगाकर आरोपियों ने चाचा प्रदीप सिंह पर हमला कर दिया।

प्रभारी मंत्री आज भोपाल जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 18 फरवरी को प्रयागराज से कार द्वारा प्रस्थान कर प्रात: 12 बजे रीवा सर्किट हाउस पहुंचेंगे तदुपरांत दोपहर एक बजे वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे।

सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर फोकस करें : कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में आवेदक से बातचीत कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर फोकस करें तो विभाग की ग्रेडिंग में गुणात्मक सुधार होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिलाधिकारी प्रतिदिन 8-10 शिकायतों को रेण्डमली चयन कर आवेदकों से बात करें तो निराकरण संतुष्टिपूर्ण होगा और गुणवत्तापूर्ण निराकरण होगा। कलेक्टर ने सोमवार को संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा की। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम जितेंद्र वर्मा, एलआर जांगड़े, राहुल सिलाडिया, सुधीर बेक बैंक सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि राजस्व की शिकायतों को ग्राम वार और हल्कावार छांटकर पटवारियों को भी मैदानी स्तर पर निराकरण की जिम्मेदारी दें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की फोर्स क्लोज होने वाली शिकायतों में केवल पटवारी की निरीक्षण रिपोर्ट और उसके प्रतिवेदन के आधार पर प्रस्तावित कर दी जाती है। तहसीलदार और एसडीएम को भी यदा-कदा क्रॉस चेक या स्वयं निरीक्षण कर मामले को कंफर्म करना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की एक-एक शिकायत के निराकरण की जिम्मेदारी हमारी हो। राजस्व विभाग के फोर्स क्लोज के प्रकरण तहसीलदार और एसडीएम के माध्यम से कलेक्टर तक प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में संतुष्टिपूर्ण निराकरण की दिशा में और प्रयास की जरूरत है। राजस्व विभाग में उचेहरा तहसीलदार का परफॉर्मेंस ठीक नहीं आने पर एक सप्ताह की वेतन काटने और नागौद के सहायक यंत्री को नोटिस के बाद भी सुधार नहीं करने पर एक सप्ताह की वेतन काटने के निर्देश दिए गये।

सीएम हेल्पलाइन में प्रदेश स्तर पर रैंकिंग में सतना का स्थान 16वां है जबकि राजस्व विभाग की पोजीशन 21वीं हैं। सीएम हेल्पलाइन में खराब प्रदर्शन पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद मझगवां, जेई ऊर्जा विभाग जसो, सहायक आपूर्ति अधिकारी उचेहरा, एसडीओ पीडब्ल्यूडी नागौद की एक सप्ताह की वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रेडिंग के समय 20 फरवरी तक यदि इनके द्वारा अपेक्षित प्रगति लाई जाती है तो वेतन कटौती का आदेश वापस हो सकता है। अन्यथा की स्थिति में तीन बार नोटिस कटने पर विभागीय जांच शुरू की जाएगी और सेवा पुस्तिका एसीआर में भी दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि दंड देना कोई उद्देश्य नहीं है लेकिन कार्य प्रणाली में सुधार लाना परम उद्देश्य है। स्वास्थ्य, श्रम, जल संसाधन, आरटीओ, पशुपालन, उपसंचालक कृषि, सहायक पंजीयक सहकारिता की स्थिति टॉप टेन में होने पर कलेक्टर ने इन विभागों को बधाई दी।

टीएल पत्रों की समीक्षा में कलेक्टर ने विभागों के प्रकरण एक जाई रूप से संधारित नहीं होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टीएल पत्रक के एक खाने में आवेदक का मोबाइल नंबर भी अंकित करें ताकि विभागों द्वारा किए गए निराकरण के संबंध में रेण्डमली आवेदक से बात कर सत्यापन किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगली टीएल में विभागवार संक्षिप्त नोट भी प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने बिरसिंहपुर के आरआई को ट्रेप होने के फलस्वरूप निलंबित किए जाने के बाद अब तक विभागीय जांच कार्यवाही शुरू नहीं करने पर अधीक्षक भू अभिलेख के प्रति नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने कहा कि एसएलआर को कारण बताओ नोटिस जारी करें। टीएल की बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित पर उप संचालक उद्यान अनिल सिंह की एक दिन का वेतन काटने की नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने सीएम मानिट, सीएस मानिट, ई आफिस प्रकोष्ठ के पत्रों न्यायालयों के अवमानना संबंधी प्रकरण, 70 प्लस आयु वर्ग के आयुष्मान कार्ड, अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण, स्मार्ट सिटी के राजस्व संबंधी प्रकरणों की भी समीक्षा की।

दसवीं का छात्र चार दिन से लापता, एसपी से फरियाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक छात्र के लापता हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। दसवीं कक्षा का ये छात्र घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद भी जब छात्र का पता नहीं चला तो उसके गुमशुदगी की शिकायत बिछिया थाने में दर्ज कराई गई। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी जब छात्र का कुछ पता नहीं चला तो ऐसे में परिजन आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और बच्चे को तलाश करने की मांग की। दरअसल मामला शहर के बिछिया थाना क्षेत्र ग्राम खमहा का है। यहां के निवासी प्रेमलाल साकेत का 15 वर्षीय पुत्र नारेंद्र साकेत 13 फरवरी को रोज़ाना की तरह घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा।

श्रद्धालुओं की कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज ज़िले के शाहपुर में आज भीषण सड़क हादसा हो गया। महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। तो वहीं महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। हादसा सुबह शाहपुर थाना क्षेत्र के चौहना गांव के समीप हुआ। घायल महिला को एमपी आर डीसी की एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। तो वहीं युवक के शव को पीएम के लिए भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक अर्जुन साकेत निवासी गेंगु रहट थाना हनुमना सुबह पूजा साकेत नाम की महिला को बाइक में बिठाकर मऊगंज से हनुमाना की ओर जा रहे थे। बाइक सवार जैसे ही चौहना गांव के समीप पहुंचे तभी ये हादसा हो गया। जिसमें बाइक चला रहे अर्जुन साकेत की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं पीछे बैठी महिला पूजा साकेत गंभीर रूप से घायल हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मेडिकल कालेज परिसर में निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्वरित गति से पूर्व गुणवत्ता के साथ कार्य को संपादित करायें। इस दौरान डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल सहित चिकित्सक व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने आमजनों से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनसंवाद कार्यक्रम में सर्किट हाउस राजनिवास रीवा में आमजनों से संवाद करते हुए उनकी समस्यायें सुनीं तथा अधिकारियों को यथोचित निराकरण करने के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अंकिश के स्वास्थ्य की जानकारी ली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में ह्मदय रोग से पीड़ित अंकिश सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अंकिश से कुशल क्षेम पूंछी तथा चिकित्सकों को समुचित उपचार के निर्देश दिये।

युवा संगम कार्यक्रम के तहत रोजगार मेले से 118 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

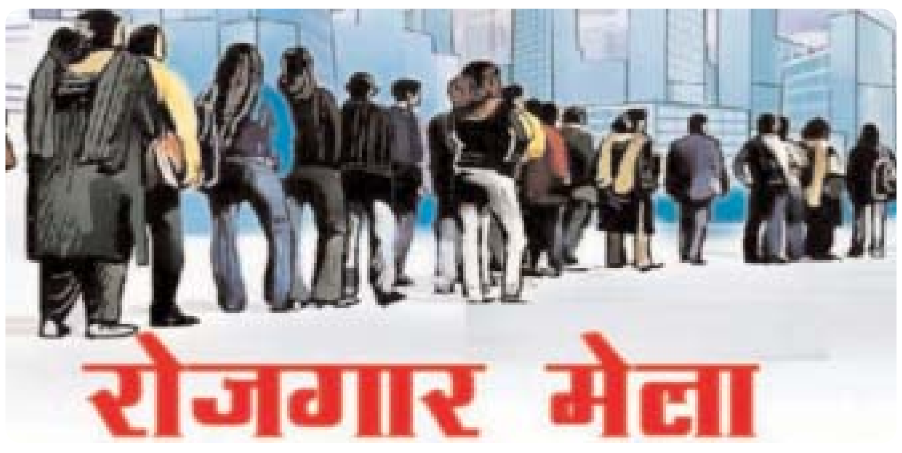

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में शासकीय आईटीआई रीवा में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 323 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 11 निजी कंपनियों ने 118 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात ने 12 युवाओं का चयन किया। इसी तरह ख्याति शील्ड वैन्टुरेज प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ ने 15, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रा. लि. सतना ने 4, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा ने 12, प्रगतिशील बायोटेक रीवा ने 10, फूड प्रोड्क्टस उद्योग विहार चोरहटा ने 14, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्राइवेट लिमिटेड पुणे ने 10, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा ने 14 तथा डी एण्ड एच सेचरोन इंदौर ने 27 युवाओं का चयन किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उतैली में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में इंजी.धर्मेंद्र सिंह द्वारा सत्संगी गुरुकुल विद्यालय उतैली में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कचरे से खाद बनाने पर जोर दिया गया! इंजी.धर्मेंद्र ने मटका विधि से होम कंपोस्टिंग की विधि विस्तृत रूप से सबको समझाते हुए सभी को बताया कि,यदि हर घर में सब्जी के कचरे, फल-फूल के कचरे को होम कंपोस्ट विधि से खाद में बदल देंगे तो शहर का बहुत बड़ा कचरा घरों में ही खाद बन जाएगा! इस प्रकार शहर में कचरे की मात्रा भी कम होगी तथा बनी हुई खाद से सभी लोग कुछ ना कुछ सब्जियां, फल-फूल ,पौधे आदि लगाएंगे तो शहर में हरियाली की मात्रा बढ़ेगी! हरा भरा स्वच्छ सतना होने पर शहर में प्राण वायु ऑक्सीजन की मात्रा में भी वृद्धि होगी ! जिससे शहर वासियों का स्वास्थ्य बेहतर होगा और शहर में खुशनुमा माहौल बनेगा!

कार्यक्रम में स्कूल परिवार के अखंड प्रताप सिंह हेडमास्टर तथा शिक्षिकाएं एवं स्टाफ अंशिका साकेत,प्रतिमा कुशवाहा,ममता तिवारी, विभा सिंह, गीता बुनकर तथा छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में स्वच्छता के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा के साथ-साथ मतदाता जागरूकता,नशा मुक्त भारत अभियान ,भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज के प्रयास पर भी इंजी.धर्मेंद्र सिंह ने जोर दिया तथा उन्होंने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई, तथा उपस्थित मतदाताओं को मतदाता शपथ दिलाई! कार्यक्रम के अंत में प्रधान अध्यापक अखंड प्रताप सिंह ने इंजी.धर्मेंद्र सिंह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।